RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 270 , रविवार, 15 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com





उत्तरी बरियरिया में 100 से अधिक किसानों के बीच निःशुल्क तोरी बीज का वितरण 03



छठव्रतियों के बीच वितरण किया गया साड़ी व पूजन सामग्री 04

बॉलीवुड के रवैये पर अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने उठाए सवाल 07

भारत ने पाकिस्तान के मुंह से छीना हारा हुआ मैच



अल अमीरात (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान को अंडर-19 एशिया कप फाइनल में 1 विकेट से हरा दिया। शनिवार को अल अमीरात में भारत ने 9वीं बार यह टूर्नामेंट में जीता। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रहे पाकिस्तान ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 337 रन बनाए। उस्मान खान ने 107 रन बनाए। उन्होंने 11 चौके और 3 सिक्स लगाए। अब्दुल कादिर ने 80 रन की पारी खेली। भारत से काव्य पटेल ने 4 और सी. वेंकट ने 3 विकेट लिए। जवाब में भारतीय टीम ने 49.6 ओवर में 9 विकेट पर 339 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 80 रन की पारी खेली। उन्होंने 5 चौके लगाए। आर्यवीर सहवाग ने 58 रन बनाए। उन्होंने 9 चौके लगाए। आखिरी ओवर में मोहित ने चौका लगाकर जीत दिलाई। उन्होंने 49 रन बनाए। 49वें ओवर में मोहम्मद उल्वा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 17 रन बटोरे। मोहम्मद सय्यम के ओवर की पहली गेंद पर उल्वा ने चौका लगाया। दूसरी गेंद पर डीप एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से छक्का जड़ा।

● मोहित ने आखिरी बॉल पर चौके से दिलाई यह जीत

गोधरा कांड दुर्घटना नहीं, साजिश थी

● सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर राकेश अस्थाना ने किया दावा ● बोले-एसआईटी ,नानावती आयोग की रिपोर्ट में भी यही थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीबीआई स्पेशल डायरेक्टर राकेश अस्थाना ने 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड को लेकर दावा किया कि साबरमती एक्सप्रेस के कोच एस-6 में आग दुर्घटना नहीं, बल्कि साजिश थी। अस्थाना ने कहा- सुप्रीम कोर्ट की बनाई एसआईटी और नानावती आयोग की रिपोर्ट में भी आग को जानबूझकर लगाना बताया था। साथ ही गुजरात पुलिस की जांच को सही पाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव उन्हें इस केस में फंसाना चाहते थे। 27 फरवरी 2002 में गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस के कोच एस-6 में आग लगने से 59 लोगों की मौत हुई थी। इनमें कारसेवक भी शामिल थे।



सोनिया गांधी की किताब में गोधरा कांड का जिक्र

सोनिया गांधी ने अपनी किताब बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव में पेज 401 से 403 के बीच गोधरा कांड और दंगों के बारे में लिखा है। उन्होंने लिखा- दंगे तब भड़के, जब साबरमती एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लगा दी गई। इसके चलते 59 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। ट्रेन अयोध्या से अहमदाबाद जा रही थी, जिसमें कारसेवक बैठे थे। आग लगने का कारण अभी भी विवादित विषय है। इसके चलते राज्य के हिस्सों में उथल-पुथल मच गई। गुजरात पुलिस और एसआईटी की जांच के बाद 2008 में सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सीबीआई डायरेक्टर आरके राघवन के नेतृत्व में एक नई एसआईटी बनाई। इस टीम ने पुलिस की जांच, घटनास्थल और जांच अधिकारियों के कामकाज की दोबारा पड़ताल की। राकेश अस्थाना के मुताबिक, एसआईटी को पुलिस की जांच में कोई खामी नहीं मिली और सुप्रीम कोर्ट ने उसकी रिपोर्ट मानी। इस मामले में 2011 में आरोपियों को सजा सुनाई गई थी। अस्थाना ने बताया कि गुजरात सरकार ने मार्च 2002 में गोधरा कांड की जांच के लिए केजी शाह की अध्यक्षता में आयोग बनाया था। बाद में जस्टिस नानावती को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

अस्थाना बोले- लालू यादव मुझे फंसाना चाहते थे

2004 में तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने जस्टिस यूसी बनर्जी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में गोधरा अग्निकांड को हादसा बताया था। रिपोर्ट के मुताबिक, कोच में रखे स्टोव के कारण आग लगी थी। अस्थाना के मुताबिक, बनर्जी कमेटी की रिपोर्ट को गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने कमेटी बनाने को गैरकानूनी बताते हुए उसकी रिपोर्ट रद्द कर दी थी। कोर्ट का कहना था कि जब मामले की जांच के लिए पहले से आयोग बना हुआ था, तो रेल मंत्रालय अलग से कमेटी नहीं बना सकता था। अस्थाना ने आरोप लगाया कि लालू प्रसाद यादव बनर्जी कमेटी के जरिए उन्हें गोधरा मामले में फंसाना चाहते थे। उन्होंने बताया कि उस समय दिल्ली के मीडिया में वरिष्ठ पद पर काम कर रहे उनके एक पुराने साथी ने फोन कर उन्हें सावधान किया था।

संक्षिप्त समाचार

ओवैसी-चंद्रशेखर की जोड़ी से सपा के गढ़ में हड़कंप

सुल्तानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के मुखिया चंद्रशेखर आजाद के गठबंधन ने सुल्तानपुर की सियासत में भूचाल ला दिया है। यहां दलित-मुस्लिम समीकरण पर खड़ा यह नया गठबंधन सीधे समाजवादी पार्टी के कोर वोट बैंक पर चोट कर रहा है। इसका सबसे बड़ा नुकसान सपा को इसौली और सुल्तानपुर सदर सीट पर उठाना पड़ सकता है, जिन्हें पार्टी अपना सबसे मजबूत गढ़ मानती है। इसौली को

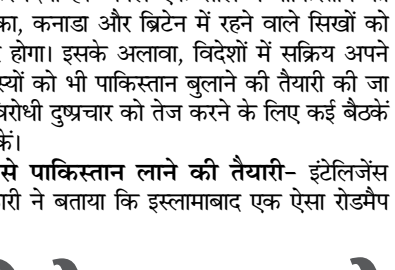


सपा का अजेय किला कहा जाता है। 2012 से यहां लगातार सपा जीत रही है। 2012 और 2017 में स्वर्गीय अबरार अहमद विधायक बने, 2022 में पूर्व सांसद ताहिर खान ने जीत दर्ज की। लेकिन 2022 का आंकड़ा सपा के लिए खतरे की घंटी है। ताहिर खान को 69,629 वोट मिले थे, जबकि भाजपा के ओमप्रकाश पांडेय बजरंगी को 69,360 वोट मिले थे। जीत का अंतर सिर्फ 269 वोट था। उसी चुनाव में एआईएमआईएम के मजहर हुसैन अकेले 3,308 वोट ले गए थे। अब अगर ओवैसी और आजाद समाज पार्टी एक साथ पूरी ताकत से लड़ीं, तो इसौली का किला ढह भी सकता है। ऐसा ही हाल सुल्तानपुर सदर सीट का है। 2022 में यहां सपा सिर्फ 1,009 वोट से हारी थी।

169 जिलों में यूरिया के अत्यधिक इस्तेमाल ने बढ़ाई सरकार की टेंशन

● कहीं देश से बाहर तो नहीं हो रहा डायवर्जन! तेज हुई जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 169 जिलों में यूरिया के अत्यधिक इस्तेमाल को लेकर चर्चा तेज हो गई है। ऐसे में कैग ने फर्टिलाइजर सब्सिडी का अखिल भारतीय परफॉरमेंस ऑडिट शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य कम से कम 169 जिलों में सब्सिडी वाले यूरिया के कथित 'डायवर्जन' (यानी तय जगह के बजाय कहीं और भेजे जाने) की जांच करना है। इसमें फर्टिलाइजर को देश के बाहर भेजे जाने की आशंका भी शामिल है। इस साल मई में शुरू हुआ यह ऑडिट 2027 के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है, जिसे संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जा सकता है। यूरिया पर सालाना 2 लाख करोड़ खर्च होते हैं।



'ई-वे बिल' के आधार पर यूरिया के डायवर्जन की आशंका

हाल ही में वित्त मंत्रालय ने 'ई-वे बिल' के आधार पर यूरिया के डायवर्जन की आशंका जताई थी, क्योंकि यह पाया गया कि ट्रक तय रास्ते के बजाय दूसरे रास्तों से जा रहे थे या कई जगहों पर रुक रहे थे। एक संसदीय समिति ने भी यूरिया के डायवर्जन, खासकर सीमावर्ती जिलों में, को लेकर चिंता जताई थी। अधिकारियों ने बताया कि यूपी, राजस्थान, पंजाब और बिहार के सीमावर्ती जिलों से सब्सिडी वाले यूरिया को दूसरी जगहों पर भेजे जाने (डायवर्जन) की खबरों ने इस बात पर भी संदेह पैदा कर दिया है कि कहीं इसे देश के बाहर तस्करी करके तो नहीं भेजा जा रहा है।

आईएएफ विंग कमांडर ने मांगे थे महिला जासूस से न्यूड फोटो

बदले में फाइटर जेट की लोकेशन भेजी, चार्जशीट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर ने न्यूड तस्वीरों के लालच में देश की सुरक्षा से जुड़े गोपनीय राज पाकिस्तान को सौंप दिए। 5 महीने पहले गिरफ्तार इस अफसर की करतूतों का अब कोर्ट में दायर चार्जशीट से खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक विंग कमांडर ने पाकिस्तानी महिला जासूस को लेह में लड़ाकू विमानों की तैनाती, राजस्थान में सैन्य अभ्यास और ड्रोन यूनिट की क्षमताओं से जुड़ी जानकारी तक दे दी। युद्ध के समय सेना कहां तैनात हो सकती है, इससे जुड़े दस्तावेज के पन्ने भी भेजे। उसने कहा था कि हर न्यूड फोटो के बदले वह वॉर प्लान का एक नया पेज देगा। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। आरोपी विंग कमांडर मनोरथ सिंह सभरवाल को अगस्त 2026 में गिरफ्तार किया गया था। पटियाला कोर्ट ने उसे 5 दिसंबर को पेश करने का आदेश दिया है।

यूपी वीरों की भूमि, यहां 20 लाख सैन्य जवानों का परिवार रहता है

● सीएम योगी ने कहा-सैनिक सेवानिवृत्त कभी नहीं होता

मेरठ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ छावनी आज कहा, मैं मानता हूं कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता। एक सैनिक की वर्दी बदलती है, लेकिन उनका राष्ट्रभक्ति का संकल्प कभी नहीं बदलता है। जब सेना से अवकाश ग्रहण करके वह गांव लौटकर आता है तो वह गांव के समाज के लिए एक मार्गदर्शक और प्रेरणा भी बनता है। सीएम योगी ने यह बात मेरठ छावनी में आयोजित पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह में कही। इस समारोह में हजारों पूर्व सैनिकों ने भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व सैनिकों, वीरता पदक विजेताओं और शहीद सैनिकों के परिवारों के लिए तीन बड़े फैसलों का ऐलान किया। पूर्व सैनिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों और उनके परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और सुविधाओं के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।



सुरक्षित माहौल से होती है प्रगति

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, कोई भी समाज हो, कोई भी देश हो,वह सुरक्षित माहौल में ही अपनी गति को प्रगति में बदल सकता है। यदि सुरक्षा का माहौल न हो तो गति को दुर्गति होने में देर नहीं लगती। आज हम चैन की नींद इसलिए सोते हैं क्योंकि हमारा जवान सीमा पर जागता है। सियाचीन की बर्फीली चोटी हो, रेगिस्तान की तपती रेत हो,समुद्र की गहराई हो या फिर देश के भीतर आई कोई आपदा हर मोर्चे पर सबसे पहले हमारा सैनिक खड़ा मिलता है।

छूट्टी की सूचना



सूर्य उपासना के महापर्व छठ पर समस्त पाठकों, हॉकर बंधुओं और विज्ञापनदाताओं को हार्दिक शुभकामनाएं। इस मौके पर अखबार के प्रेस व कार्यालय में दिनांक 15 नवंबर को अवकाश रहेगा। इसलिए हमारा अगला अंक दिनांक 17 नवंबर को प्रकाशित होगा।

-संपादक

खालिस्तान की आग भड़काने की तैयारी में आईएसआई

पंजाब चुनाव पर रख रहा बारीक नजर,साजिश का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ सिख प्रवासियों और कश्मीर से जुड़े दबाव समूहों को एकजुट करने के लिए एक साल की योजना तैयार की है। विदेशों में मौजूद अपने संपर्कों के जरिए पाकिस्तान की इस कवायद पर भारतीय एजेंसियों की नजर है। इस्लामाबाद भारत के खिलाफ अपने दुष्प्रचार को बड़े स्तर पर ले जाना चाहता है। इसके लिए उसने विदेशों में सक्रिय अपने लोगों पर भारी निवेश करना शुरू कर दिया है। अगले एक साल में पाकिस्तान का मुख्य फोकस अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में रहने वाले सिखों को पाकिस्तान बुलाने पर होगा। इसके अलावा, विदेशों में सक्रिय अपने दबाव समूहों के सदस्यों को भी पाकिस्तान बुलाने की तैयारी की जा रही है, ताकि भारत विरोधी दुष्प्रचार को तेज करने के लिए कई बैठकें आयोजित की जा सकें।

कानूनी तरीके से पाकिस्तान लाने की तैयारी- इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद एक ऐसा रोडमैप



तैयार कर रहा है, जिसके जरिए इन लोगों को पाकिस्तान लाया जा सके। ये दौरे गुप्त नहीं होंगे, बल्कि इन लोगों को कानूनी तरीकों से पाकिस्तान लाया जाएगा। यहां तक कि आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और बैठकों का भी बड़े पैमाने पर प्रचार किया जाएगा।

मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दों को उछालने की तैयारी

इन आयोजनों के दौरान कश्मीर और पंजाब से जुड़े कथित मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे उठाए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान का मुख्य मकसद अपने एजेंडे का प्रचार करना और इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की मांग को आगे बढ़ाना है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब पाकिस्तान सिख समुदाय को अपने पक्ष में करने की पुरजोर कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान का पूरा ध्यान विदेशों में रहने वाले सिखों पर है, क्योंकि भारत ने करतारपुर कॉरिडोर को फिलहाल निलंबित कर रखा है।

दुबई और इस्तांबुल के रास्ते पाकिस्तान लाने की रणनीति

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद एक ऐसी रणनीति पर काम कर रहा है, जिसके तहत दुबई, कोलंबो, कुआलालंपुर और इस्तांबुल के रास्ते सिख प्रवासियों और तथाकथित कश्मीर समर्थक कार्यकर्ताओं को पाकिस्तान लाया जा सके। इन लोगों को पाकिस्तान लाने के लिए विशेष आव्रजन (इमिग्रेशन) इंतजाम किए गए हैं। इस तरह की सुविधाएं आमतौर पर पाकिस्तान आने वाले उच्चस्तरीय मेहमानों को दी जाती हैं। इस्लामाबाद यह जताना चाहता है कि खालिस्तान और कश्मीर के मुद्दों पर वह महत्वपूर्ण मेहमान हैं।

एमपी के खरगोन में 25 दिन में दूसरा भूकंप

● तीव्रता 4.5, 3 से 4 सेकंड तक हिली धरती

खरगोन (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में 25 दिन के भीतर दूसरी बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। शनिवार सुबह 9.15 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 दर्ज की गई। करीब 3-4 सेकंड तक जमीन में कंपन हुआ। भूकंप का केंद्र मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा से लगे सतपुड़ा क्षेत्र में बताया गया है। यह खरगोन जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर और जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। इससे पहले 18 अक्टूबर को दोपहर 12.14 बजे 4.1 तीव्रता का भूकंप आया था। उस समय भी भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। शनिवार को आए झटकों का असर खरगोन, सेंधवा, खंडवा, बुरहानपुर और भीकनगांव के सीमावर्ती इलाकों में महसूस किया गया।



कंपन से सोफा खिसका, लोग घरों से बाहर निकले

सुबह अचानक कंपन महसूस होने पर लोग घबरा गए। दीपक कानूनगो, प्रभुराम मालवी और बसंत सोनी ने बताया कि घर में रखे सोफे अपनी जगह से खिसकने लगे। वे परिवार के साथ तुरंत घरों से बाहर आ गए। सनावद रोड स्थित अविसंस स्कूल में भी कंपन महसूस हुआ। इसके बाद शिक्षक बच्चों को भवन से निकालकर मैदान में ले गए। बाद में उन्हें भूकंप के दौरान बचाव के तरीके बताए गए। खरगोन एसडीएम सत्येंद्र बैरवा ने बताया कि जिले के कई इलाकों से कंपन महसूस होने की सूचना मिली है। प्रशासन ने इसकी जानकारी जुटाई है। फिलहाल, नुकसान की सूचना नहीं है।

बांग्लादेश की सेना ले जाए,केस लड़ने का अधिकार मिले

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बीते दो साल से भारत में शरण ली हुई है। वहीं अब शेख हसीना खुद भी वापस जाना चाहती हैं और भारत सरकार भी उन्हें वापस उनके देश भेजने पर विचार कर रही है। बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार शेख हसीना को वापस तो भेजना चाहती है, लेकिन सरकार ने बांग्लादेश की तारिक रहमान की सरकार के सामने दो शर्तें रखी हैं। अगर बांग्लादेश इन शर्तों को मान लेता है तो शेख हसीना को जल्द ही उनके देश भेजा जा सकता है।



रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार चाहती है कि बांग्लादेश की सरकार शेख हसीना को वापस लाने के लिए एक सैन्य विमान भेजे, क्योंकि वे 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेशी सैन्य विमान से ही भारत आई थीं। भारत ने इस सैन्य विमान की डिमांड के साथ ही बांग्लादेश सरकार के सामने दो शर्तें रखी हैं। पहली शर्त यह है कि बांग्लादेश सेना को हसीना को वापस लाने की जिम्मेदारी लेनी होगी।

छठ के बाद निशांत कुमार बनेंगे डिप्टी मुख्यमंत्री!

● सम्राट कैबिनेट विस्तार में नए फॉर्मूले की चर्चा

पटना (एजेंसी)। बिहार की सियासत में इन दिनों पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के बेटे और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। निशांत कुमार को लेकर चर्चाएं चल रही हैं जल्द ही वे सम्राट सरकार में उपमुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान हो सकते हैं। कहा जा रहा है कि जेडीयू और बीजेपी के अंदर निशांत कुमार की डिप्टी सीएम की कुर्सी के लिए ताजपोशी की पूरी स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है। बस कुछ राजनीतिक पेच के चलते देरी हो रही है। दरअसल निशांत कुमार के राजनीति में आने से पहले ही जेडीयू नेता और कार्यकर्ता उन्हें मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम के रूप में देखना चाहते थे।



जेडीयू-बीजेपी में कहां से बढ़ा मनमुटाव

हालांकि बिहार एमएलसी चुनाव में जेडीयू के अभिषेक झा की हार के बाद जेडीयू और बीजेपी के बीच मनमुटाव बढ़ गया। इसके चलते जेडीयू के अंदर नेताओं का एक बड़ा धड़ा चाहता है कि सरकार में पार्टी की तरफ से सिर्फ एक ही डिप्टी सीएम हो और वो हों निशांत कुमार, जो बीजेपी तक सीधी पार्टी की बात पहुंचा सकें। सूत्रों का कहना है कि बीजेपी भी चाहती है सरकार चलाने के लिए एक मुख्यमंत्री और एक डिप्टी सीएम का फॉर्मूला ज्यादा असरदार हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

आग से 6 परिवारों के घर जले, 25 नवंबर को होनी थी एक बेटी की शादी, दहेज-सामान और जमा-पूंजी राख



हाजीपुर। वैशाली के जंदाहा प्रखंड की लक्ष्मीपुर बरबट्टा पंचायत के चकभैरो गांव में आग लगने से छह परिवारों के घर जल गए। अगलगी में घरों में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन, फर्नीचर, नकदी और जरूरी दस्तावेज समेत लाखों रुपये का सामान नष्ट हो गया। आग से प्रभावित परिवारों के सामने अब रहने और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने का संकट खड़ा हो गया है। आग की चपेट में दामोदर पासवान, विष्णु पासवान, संजीव पासवान, संजय पासवान, सुभाष पासवान और चंदन पासवान के घर आए। घरों में रखा घरेलू सामान पूरी तरह जल गया। नुकसान लाखों रुपये का बताया जा रहा है। अगलगी से एक परिवार की खुशियां भी मातम में बदल गईं। परिवार की बेटी की शादी 25 नवंबर को तय थी। इसके लिए कपड़े, बर्तन और अन्य जरूरी सामान जुटाए गए थे। आग में शादी का सामान और परिवार की जमा-पूंजी भी जल गई। घटना के बाद प्रभावित परिवारों के सामने रहने और जरूरी सामान की व्यवस्था करने की चुनौती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कर पीड़ितों को मुआवजा, राहत सामग्री और रहने की जगह उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही शादी की तारीख नजदीक होने के कारण संबंधित परिवार को आर्थिक और अन्य सहायता देने की अपील की है।

सराय में विवाद के बाद 8 लोग घायल, किराना दुकान पर हुई मारपीट, 20 लोगों पर पीटने का आरोप

हाजीपुर। हाजीपुर के सराय थाना क्षेत्र के नीरपुर पतार गांव में शनिवार सुबह किराना दुकान पर विवाद के बाद दो पक्षों में मारपीट हुई। एक परिवार के 8 लोग घायल हो गए। सभी का हाजीपुर सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। परिवार के लोगों और स्थानीय निवासियों ने घायलों को राजापाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया था। वहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत देखते हुए उन्हें हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया। घायलों को सिर, हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। घायलों की पहचान टुनटुन पासवान की 40 वर्षीय पत्नी अनीता देवी, मुनचुन पासवान की 41 वर्षीय पत्नी गीता देवी,



विश्वनाथ पासवान के 52 वर्षीय बेटे अशोक पासवान, अशोक पासवान के 17 वर्षीय बेटे राजकुमार, मुनचुन पासवान के 21 वर्षीय बेटे सनोज पासवान, स्वर्गीय लालू पासवान के 65 वर्षीय बेटे विश्वनाथ पासवान और टुनटुन पासवान की 18 वर्षीय बेटी अनीशा कुमारी के रूप में हुई है। परिवार के 8 लोग घायल हुए हैं। घायल राजकुमार ने बताया कि शनिवार सुबह गांव के सुदामा ठाकुर के बेटे अजीत ठाकुर उनकी किराना दुकान पर सामान लेने आए थे। इसी दौरान उनके पाटीदार हरिश्चंद्र पासवान के बेटे पंकज पासवान ने अजीत से मारपीट शुरू कर दी। राजकुमार के मुताबिक, उनके पिता ने दुकान पर मारपीट करने से रोका तो पंकज ने उनसे मारपीट की। राजकुमार ने बताया कि घर के लोग शोर सुनकर वहां पहुंचे। इसी बीच बिंदेश्वर पासवान के बेटे सरवन पासवान वहां आए और रॉड से हमला किया। उनके पिता बेहोश होकर गिर गए। राजकुमार का आरोप है कि पिता को उठाने की कोशिश के दौरान करीब 20 लोग जुटे और परिवार के 8 लोगों को पीटा। परिवार के मुताबिक, सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और पहले इलाज कराने को कहा। घायलों के सदर अस्पताल में इलाज के दौरान नगर थाने की पुलिस ने उनका बयान दर्ज किया। परिवार का कहना है कि मारपीट का वीडियो मौजूद है। वीडियो में लाठी-डंडे लिए लोग परिवार को घेरकर पीटते दिख रहे हैं। परिजनों ने पुलिस से वीडियो के आधार पर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने और कार्रवाई करने की मांग की है।

शराब के आरोपी को पैसे लेकर छोड़ने का आरोप, महनार थाने में 60 हजार रुपए लेने की बात वाले ऑडियो की जांच के आदेश

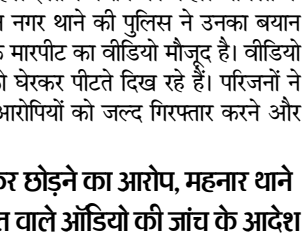
हाजीपुर। वैशाली जिले के महनार थाना क्षेत्र में शराब बरामदगी के बाद आरोपी को कथित तौर पर पैसे लेकर छोड़ने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक संदिग्ध ऑडियो में 60 हजार रुपए देकर छूटने की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार, 12 नवंबर 2026 को सुबह करीब 6 बजे महनार थाना क्षेत्र के मालीटोला में थानाध्यक्ष ने 30 लीटर देसी शराब पकड़ी थी।



शराब के साथ एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर थाने लाया गया था। आरोप है कि बाद में एक मध्यस्थ के जरिए कथित लेन-देन हुआ और उसे छोड़ दिया गया। वायरल ऑडियो में बृज किशोर राय और नीतीश कुमार नाम के दो व्यक्तियों के बीच बातचीत होने का दावा किया जा रहा है। बातचीत में कथित तौर पर कहा गया है कि पुलिस ने कम रकम लेकर आरोपी को छोड़ दिया। इसमें जेल जाने पर शराब का कारोबार ठप होने और परेशानी बढ़ने की बात भी कही गई है। ऑडियो में 60 हजार रुपए देने का जिक्र होने का दावा है। हालांकि, ऑडियो की प्रामाणिकता और बातचीत कर रहे लोगों की पहचान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि किस व्यक्ति को और किन परिस्थितियों में छोड़ा गया। ऑडियो वायरल होने के बाद लोगों ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मामले की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने महनार थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांचने और दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने ऑडियो की जांच के आदेश दिए हैं। जांच के दौरान ऑडियो की सत्यता और थाना परिसर के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की जाएगी। इसके बाद ही कथित लेन-देन के आरोपों की सच्चाई स्पष्ट हो सकेगी।

नई दिल्ली-हावड़ा स्पेशल ट्रेन के तीन अतिरिक्त फेरे, 14 से 20 नवंबर तक चलेगी

हाजीपुर। त्योहारों के दौरान ट्रेनों में बढ़ती भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए रेलवे ने 04054/04053 नई दिल्ली-हावड़ा स्पेशल ट्रेन के तीन अतिरिक्त फेरे चलाने का फैसला किया है। ये फेरे 14 से 20 नवंबर 2026 तक चलेंगे। पूर्व रेलवे की ओर से 13 नवंबर को आसनसोल से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 04054 नई दिल्ली-हावड़ा स्पेशल ट्रेन 14, 16 और 18 नवंबर को नई दिल्ली से रवाना होगी। वापसी में 04053 हावड़ा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन 16, 18 और 20 नवंबर को हावड़ा से रवाना होगी। रेलवे के मुताबिक, दोनों दिशाओं की ट्रेनें मौजूदा समय-सारणी और पहले से तय ठहराव के अनुसार चलेंगी। इन अतिरिक्त फेरों से बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को त्योहार के दौरान रेल यात्रा का एक और विकल्प मिलेगा।



पटना जिला प्रशासन ने लॉन्च किया डिजिटल वेब ऐप

एजेंसी, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की पहल पर पटना जिला प्रशासन ने छठ महापर्व 2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए एक विशेष डिजिटल व्यवस्था तैयार की है। इसके तहत 'छठ पूजा पटना डॉट कॉम' (chhathpujapatna.com) नाम से आधिकारिक वेब ऐप विकसित किया गया है। इस ऐप के माध्यम से श्रद्धालुओं को छठ घाटों की स्थिति, शौचालय, वस्त्र बदलने के कक्ष, पेयजल, पार्किंग और सुरक्षा इंतजामों सहित सभी जरूरी जानकारियां एक क्लिक पर उपलब्ध होंगी। इस ऐप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह इंटरनेट नेटवर्क उपलब्ध नहीं होने पर भी काम करेगा। इससे घाटों पर नेटवर्क की समस्या के बावजूद श्रद्धालु जरूरी जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे। डिजिटल तकनीक के माध्यम से छठ महापर्व को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक बनाने की दिशा में इसे जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

जिला प्रशासन ने इस वर्ष छठ के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 607 अस्थायी शौचालय, 560 यूरिनल, 453 वस्त्र बदलने के



कक्ष और 321 नाव एवं नाविकों की व्यवस्था की है। सुरक्षा के लिए 432 गोताखोरों के साथ राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की नौ और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की आठ टीमें तैनात रहेंगी।

वेब ऐप खोलते ही श्रद्धालुओं को पटना के छठ घाटों का नक्शा दिखाई देगा। इसके माध्यम से वे अपने आसपास के घाटों की स्थिति और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। ऐप पर 90 सुरक्षित घाट, आठ खतरनाक घाट और सात अनुपयुक्त घाट चिह्नित किए गए हैं। इसके अलावा नौ प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, 19 सहायता केंद्र, 25 शौचालय स्थल, 27 वस्त्र बदलने के कक्ष, 14 पेयजल केंद्र और 46 पार्किंग स्थलों की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई है।

- **एक क्लिक पर मिलेगी घाटों, शौचालय, पार्किंग, चिकित्सा और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी, बिना इंटरनेट के भी करेगा काम**

ऐप की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह श्रद्धालुओं को सुरक्षित घाटों तक पहुंचने में मदद करेगा। खतरनाक और अनुपयुक्त घोषित घाटों के लिए ऐप पर मार्ग का नक्शा उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, ताकि श्रद्धालु अनजाने में जोखिम वाले स्थानों पर न पहुंचें। श्रद्धालु अपनी जरूरत के अनुसार ऐप पर उपलब्ध विभिन्न विकल्पों पर क्लिक कर संबंधित सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि छठ महापर्व आस्था, विश्वास और सूर्योपासना का प्रमुख पर्व है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु गंगा सहित विभिन्न नदियों और जलाशयों के घाटों पर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होती है।

बंद घर से 10 लाख कैश और गहने चोरी, खेत बेचकर घर बनाने के लिए रखे थे पैसे



एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा में बंद घर का ताला तोड़कर चोर 10 लाख रुपए और सोने-चांदी के गहने ले गए। परिवार के घर लौटने पर कमरे का सामान बिखरा मिला और बक्से में रखे रुपए व गहने गायब थे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। यह घटना बिहटा नगर परिषद के राघोपुर वार्ड नंबर-15 में चीनी मिल ओपी क्षेत्र में हुई। FSL और डॉग स्क्वायड टीम ने जांच शुरू कर दी है।

दो दिन पहले परिवार के साथ मायके गई थीं रीता देवी: घर की महिला रीता देवी ने बताया कि वह दो दिन पहले पूरे परिवार के साथ मायके गई थीं। रविवार सुबह जब घर लौटीं तो दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाने पर सामान बिखरा मिला। जांच करने पर बक्से में रखे 10 लाख रुपए और दो थान सोने-चांदी के गहने गायब मिले। रीता देवी के मुताबिक, खेत बेचकर मकान बनाने के लिए 10 लाख रुपए जमा किए थे। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि अब घर कैसे बनेगा, इसके लिए खेत भी बेचा था, लेकिन चोर पैसे लेकर चले गए।

FSL और डॉग स्क्वायड टीम ने शुरू की जांच: घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। FSL और डॉग स्क्वायड टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है। चोरी की जानकारी मिलने के बाद BSP नेता रामप्रवेश यादव पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और घटना की जानकारी ली। चीनी मिल ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि महिला के पति कमलेश नेट ने थाने में चोरी का आवेदन दिया है। अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

महापर्व छठ का दूसरा दिन, खरना के साथ शुरू होगा 36 घंटे का निर्जला व्रत

एजेंसी, पटना

लोक आस्था और सूर्योपासना का महापर्व छठ परंपरागत रूप से श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। इस चार दिवसीय कठिन अनुष्ठान का आज दूसरा दिन है। आज व्रती पूरे दिन उपवास रखने के बाद शाम को विधि-विधान से खरना करेंगी। इसके साथ ही छठ व्रत के सबसे कठिन चरण 36 घंटे के निर्जला उपवास की शुरुआत होगी।

खरना के अवसर पर व्रती स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं और पूरी पवित्रता के साथ भगवान सूर्य तथा छठी मइया की पूजा-अर्चना करती हैं। इस दिन गुड़ से बनी खीर, रोटी और फल का प्रसाद तैयार किया जाता है। पूजा के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करती हैं और परिवार तथा आसपास के लोगों के बीच प्रसाद वितरित किया जाता है।

36 घंटे तक निर्जला उपवास: खरना के बाद व्रती 36 घंटे तक निर्जला उपवास रखती हैं। इस दौरान अन्न और जल ग्रहण नहीं किया जाता है। इसके अगले दिन यानी तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। वहीं, चौथे और अंतिम दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व का समापन



होगा।छठ महापर्व को लेकर घरों में विशेष साफ-सफाई और तैयारी की जा रही है। बाजारों में फल, सूप, दउरा, नारियल, गन्ना और पूजन सामग्री की खरीदारी को लेकर चहल-पहल बढ़ गई है। घाटों की सफाई और सजावट का कार्य भी जारी है। छठ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि लोक आस्था, शुद्धता, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामाजिक समरसता का अनुपम पर्व है। इस महापर्व में परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और लोककल्याण की कामना के साथ भगवान सूर्य एवं छठी मइया की आराधना की जाती है।

जुआ अड्डे पर छापेमारी करने गई पटना पुलिस पर हमला, खेत में ले जाकर पीटा



एजेंसी, पटना

पटना के बाइपास थाना क्षेत्र में जुआ अड्डे पर छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर हमला कर दिया गया। हमलावरों ने ASI सरयू प्रसाद को घेरकर खेत में ले गए और उनकी जमकर पिटाई की। हमले में उनके सिर में चोट आई। मामले में पुलिस ने 15 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। इनमें से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

- **15 लोगों पर नामजद एफआईआर, दो गिरफ्तार**

पुलिस टीम को घेरा, ASI को खेत में ले जाकर पीटा: घटना 11 नवंबर की देर रात महुली रोड पर हुई। पुलिस को इलाके में जुआ अड्डा संचालित होने की सूचना मिली थी। इसके बाद जमादार सरयू प्रसाद पुलिस टीम के साथ छापेमारी करने पहुंचे थे। पुलिस के पहुंचते ही वहां मौजूद कुछ युवकों ने कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते युवकों ने पुलिस टीम को घेर लिया।

इसके बाद हमलावर ASI सरयू प्रसाद को पकड़कर खेत की ओर ले गए और उनकी पिटाई की। मारपीट के दौरान उनकी वर्दी कीचड़ से सन गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना के दो दिन बाद मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। बाइपास थाना प्रभारी रंजीत कुमार ने वीडियो की पुष्टि की है। पुलिस ने मामले में 15 लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज किया है। थाना प्रभारी रंजीत कुमार के अनुसार, दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

सदाकत आश्रम में मनी जवाहरलाल नेहरू की 137वीं जयंती

एजेंसी, पटना

प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 137वीं जयंती(बाल दिवस) के अवसर पर शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव ने की। इस अवसर पर पंडित जवाहरलाल नेहरू के मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी ।

इस अवसर पर कपिलदेव प्रसाद यादव ने कहा कि पंडित नेहरू आधुनिक भारत के शिल्पकार थे। उन्होंने देश में लोकतांत्रिक मूल्यों, धर्मनिरपेक्षता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शिक्षा और औद्योगिक विकास की मजबूत नींव रखी। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए। उन्होंने कहा कि नेहरू जी बच्चों से विशेष स्नेह रखते थे।



उनका मानना था कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं। उनके जन्मदिवस को बाल दिवस के रूप में मनाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। आज आवश्यकता है कि हम उनके विचारों और आदर्शों को अपनाकर देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करें। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता ब्रजेश प्रसाद मुनन, बैद्यनाथ शर्मा, डॉ अमन कुमार, पंकज यादव ,अमित कुमार, नदीम अंसारी, अरविंद लाल रजक ,अरुण पाठक, सत्येंद्र कुमार सिंह, डॉ सत्येंद्र कुमार, बिट्टू यादव, दौलत इमाम, निधि पाण्डेय, रमाशंकर कुमार, अखिलेश कुमार पासवान, विनोद कुमार विद्यार्थी, चौधरी ब्रह्म प्रकाश, रवि कुमार, रुमा सिंह सहित अन्य कांग्रेस नेता मौजूद थे।

मोदी के उद्घाटन से पहले 'नीतीश सेतु' पर कंट्रोवर्सी पुल का नाम रखने पर रोहिणी ने उठाया सवाल

एजेंसी, पटना

बिहार के कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर छह लेन गंगा पुल के नामकरण को लेकर अब सियासत शुरू हो गई है। सीएम सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को ऐलान किया था कि राज्य सरकार ने इस पुल का नाम पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर 'नीतीश सेतु' रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर को इस पुल को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। हालांकि, अब राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने पुल के नामकरण पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राघोपुर पुल का नाम 'सामाजिक न्याय सेतु' होना चाहिए या फिर लालू प्रसाद यादव के नाम पर रखा जाना चाहिए।

लालू जी ने राघोपुर को मुख्यधारा से जोड़ा - रोहिणी आचार्य: लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने कहा कि लालू प्रसाद ने राघोपुर दियारा क्षेत्र को विकसित किया और पुल के माध्यम से इस इलाके को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए थे। आज राजनीतिक श्रेय लेने के लिए ऐतिहासिक राघोपुर पुल के निर्माण का श्रेय दूसरों के नाम किए जाने का फैसला



अफसोसजनक है। राघोपुर की जनता चाहती है कि पुल का नाम 'सामाजिक न्याय सेतु' या लालू प्रसाद यादव के नाम पर हो। केवल राजनीतिक फायदे के लिए नामकरण करने का कोई औचित्य नहीं है। ऐसे फैसले पर सवाल उठना लाजिमी है।

सम्राट चौधरी ने किया था 'नीतीश सेतु' नाम का ऐलान: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 13 नवंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि प्रधानमंत्री 21 नवंबर को बिहार आएंगे। इस दौरान कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर छह लेन पुल को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। राज्य सरकार ने इसका नामकरण 'नीतीश सेतु' किया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री वैशाली जिले के राजापाकर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनोपयोगी और विकासात्मक योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन भी करेंगे।

संजय झा बोले- बिहार के लिए गौरव और सम्मान की बात: पुल का नाम नीतीश कुमार के नाम पर रखे जाने पर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने खुशी जताई थी। उन्होंने X पर लिखा कि बिखरे हुए बिहार को एक सूत्र में पिरोने वाले, सड़कों और पुल-पुलियों का जाल बिछाकर राज्य को विकास की नई दिशा और गति देने वाले आधुनिक बिहार के निर्माता नीतीश कुमार के नाम पर छह लेन गंगा पुल का नाम 'नीतीश सेतु' रखा जाना पूरे बिहार के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन महासेतु करीब 19.30 किलोमीटर लंबा है। 67 मजबूत पिलरों पर खड़े इस पुल का निर्माण एलएंडटी एजेंसी ने किया है। करीब 5,000 करोड़ रुपए की लागत से तैयार यह एक्स्ट्राडोज्ड केबल पुल आधुनिक इंजीनियरिंग का नमूना है। इसमें मुख्य गंगा नदी पर बने पुल की लंबाई 9.76 किलोमीटर है।

बिहार से लौटने वाले यात्रियों के लिए रेलवे की तैयारी, पटना जंक्शन पर 6 हजार वर्गफुट में होल्डिंग एरिया बनाया, 25 नवंबर तक पार्किंग-पार्सल बुकिंग पर रोक

एजेंसी, पटना

दीपावली और छठ के बाद बिहार से दूसरे राज्यों में लौटने वाले यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेल ने विशेष तैयारी की है। पटना समेत प्रमुख स्टेशनों पर अस्थायी होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। यहां यात्रियों के बैठने की सुविधा होगी। होल्डिंग एरिया में ट्रेन की स्थिति बताने वाले डिस्प्ले बोर्ड, लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट, पेयजल और मेडिकल बूथ की व्यवस्था की गई है। रेलवे का कहना है कि इससे प्लेटफॉर्म पर भीड़ कम रखने और ट्रेनों का परिचालन सुचारु रखने में मदद मिलेगी।

पटना के स्टेशनों में यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था: पटना जंक्शन, राजेंद्रनगर टर्मिनल, दानापुर और पाटलिपुत्र जंक्शन पर हजारों यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। ट्रेन आने के समय प्लेटफॉर्म बदलने से यात्रियों के बीच अफरा-तफरी न हो, इसके लिए रेलवे ने निर्देश जारी किए हैं। विशेष परिस्थिति को छोड़कर ट्रेनों का प्लेटफॉर्म नहीं बदला जाएगा। ट्रेन के प्लेटफॉर्म की घोषणा कम से कम 30 मिनट पहले करनी होगी। इससे यात्रियों को समय रहते अपने प्लेटफॉर्म तक पहुंचने में मदद मिलेगी और भगदड़ जैसी स्थिति बनने की आशंका कम होगी।

पटना जंक्शन में होल्डिंग एरिया तैयार किया: पटना जंक्शन के उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी छोर पर करीब 6 हजार वर्गफुट में होल्डिंग एरिया तैयार किया गया है। यहां यात्रियों के बैठने के लिए कुर्सियां लगाई गई हैं। ट्रेन की स्थिति जानने के लिए डिस्प्ले बोर्ड और



लगातार अनाउंसमेंट की सुविधा भी रहेगी। होल्डिंग एरिया में मेडिकल बूथ और पेयजल की व्यवस्था भी की गई है। इससे यात्रियों को ट्रेन का इंतजार करने के लिए प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर भीड़ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

25 नवंबर तक पार्किंग बंद, पार्सल बुकिंग पर भी रोक: त्योहारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने स्टेशन परिसर में पार्किंग व्यवस्था पर 25 नवंबर तक रोक लगा दी है। इसका उद्देश्य स्टेशन परिसर में वाहनों की आवाजाही कम करना और यात्रियों के आवागमन को आसान बनाना है। वहीं, 14 से 25 नवंबर तक आवक और जावक दोनों तरह की पार्सल बुकिंग बंद रहेगी। इससे स्टेशन परिसर में सामान की आवाजाही और परिचालन पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव कम होगा।

10 दिन तक 24 घंटे सक्रिय रहेगा वार रूम: भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए 16 से 25 नवंबर तक विशेष वार रूम सक्रिय रहेगा। यहां परिचालन, वाणिज्य, रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और राजकीय रेल पुलिस (GRP) के अधिकारी तैनात रहेंगे। वार रूम से प्रमुख स्टेशनों की स्थिति, यात्रियों की भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई के लिए अधिकारियों को अलर्ट रखा जाएगा।

सुरक्षा के लिए 4 अतिरिक्त कंपनियां तैनात: यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे सुरक्षा बल की 4 अतिरिक्त कंपनियां तैनात की गई हैं। वहीं, पटना जंक्शन के फुट ओवरब्रिज (FOB), स्टेशन परिसर और पार्किंग सहित विभिन्न जगहों पर 250 से अधिक जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जीआरपी की एएसपी रश्मि के मुताबिक, स्टेशन परिसर में आरपीएफ और रेल पुलिस की टीम लगातार संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही है। इसके अलावा प्रतिदिन विशेष अभियान चलाकर जांच और तलाशी की जा रही है। सभी जवानों को अलग-अलग क्षेत्रों में गश्त करने और संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर बनाए रखने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

डीएम-एसपी ने संयुक्त रूप से पकड़ीदयाल नगर पंचायत के छठ घाटों का किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी। महापर्व छठ को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में शनिवार को जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने संयुक्त रूप से जिला के पकड़ीदयाल नगर पंचायत के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर वहां चल रही तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं नगर पंचायत पकड़ीदयाल के कार्यपालक पदाधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने नगर पंचायत के वार्ड संख्या 5, 6 एवं 7 स्थित छठ घाटों के साथ-साथ खाकी बाबा छठ घाट का भी जायजा लिया तथा वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि छठ व्रतियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से पानी की गहराई को ध्यान में रखते हुए बैरिकेडिंग कराई गई है। इसके अतिरिक्त, घाटों पर गोताखोरों एवं एनडीआरएफ की टीम की तैनाती की गई है। व्रतियों की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है तथा वॉच टावर भी लगाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने घाटों की सुरक्षा एवं निगरानी को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से सभी प्रमुख स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश, सुरक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था समय से सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था का महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर घाटों पर आने वाले सभी छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी व्रती को घाट तक पहुंचने, पूजा-अर्चना करने तथा वापस घर लौटने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य व्यक्ति एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने आम नागरिकों से अपील की कि वे छठ महापर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में जिला प्रशासन का सहयोग करें तथा घाटों पर स्वच्छता बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। अधिकारियों ने उपस्थित सभी लोगों को महापर्व छठ की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मरीन ड्राइव से 24 वर्षीय युवक का अपहरण, चार-पांच अज्ञात लोग जबरन वाहन में ले गए बैठाकर

बीएनएम @ मोतिहारी। नगर के चर्चित मरीन ड्राइव इलाके में शनिवार की शाम करीब 5:30 बजे एक 24 वर्षीय युवक के कथित अपहरण का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि चार-पांच अज्ञात लोग एक चारपहिया वाहन से पहुंचे और युवक को जबरन गाड़ी में बैठाकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। वहीं, युवक के परिजनों में दहशत का माहौल है और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। अपहृत युवक की पहचान छतौनी थाना क्षेत्र के खोदानगर वार्ड संख्या-13 निवासी अशरफ के पुत्र राजा के रूप में हुई है। युवक के पिता अशरफ ने नगर थाने में लिखित आवेदन देकर अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। आवेदन में बताया गया है कि शनिवार की शाम राजा मरीन ड्राइव इलाके में मौजूद था। इसी दौरान चार-पांच अज्ञात व्यक्ति चारपहिया वाहन से वहां पहुंचे और उसे जबरन खींचकर गाड़ी में बैठा लिया। इसके बाद सभी युवक को लेकर मौके से फरार हो गए। युवक के पिता ने अपने आवेदन में साक्षी उर्फ गोलू नामक युवती पर पूर्व में कई बार उनके बेटे को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि राजा को सानवी तिवारी उर्फ गोल्डी से दूर रहने की चेतावनी दी गई थी। पिता ने आशंका जताई है कि पूर्व में मिली धमकियों का इस घटना से कोई संबंध हो सकता है। हालांकि, इस संबंध में लगाए गए आरोपों की अभी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। उक्त मामले को लेकर इंस्पेक्टर राजीव रंजन ने बताया कि नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस युवक की बरामदगी और घटना में शामिल लोगों की पहचान के लिए छानबीन कर रही है। साथ ही अपहरण के पीछे की वजह का भी पता लगाया जा रहा है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच में जुटी हुई है।

सूर्य षष्ठी व्रत को लेकर बाजारों में उमड़ी खरीदारों की भीड़, फल और कपड़ों की दुकानों पर रही रौनक

बीएनएम @ पहाड़पुर: लोक आस्था के महापर्व सूर्य षष्ठी व्रत को लेकर पहाड़पुर प्रखंड क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। पर्व के दूसरे दिन पूजा-पाठ की तैयारियों को लेकर पहाड़पुर के विभिन्न बाजारों में खरीदारों की भारी भीड़ देखने को मिली। खासकर फल, कपड़े एवं पूजन सामग्री की दुकानों पर सुबह से ही लोगों की



चहल-पहल बनी रही। छठ व्रत को लेकर व्रतियों एवं उनके परिजनों ने पूजा में उपयोग होने वाले फल, नारियल, सूप, दउरा तथा अन्य आवश्यक सामग्रियों की जमकर खरीदारी की। वहीं पर्व को लेकर नए कपड़ों की दुकानों पर भी ग्राहकों की अच्छी-खासी भीड़ देखी गई। बाजारों में महिलाओं और पुरुषों के साथ बच्चों की भी काफी चहल-पहल रही। पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। चारों ओर छठी मइया के गीतों और भक्ति के माहौल से पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आ रहा है। लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना का प्रतीक यह महापर्व लोगों को आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश भी दे रहा है।

केंद्रीय कारा मोतिहारी में भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा छठ महापर्व

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर केंद्रीय कारा, मोतिहारी में बंदियों द्वारा पूरे भक्तिभाव, श्रद्धा और विधि-विधान के साथ छठ महापर्व मनाया जा रहा है। बंदियों की धार्मिक आस्था और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कारा प्रशासन की ओर से जेल परिसर के भीतर ही कृत्रिम छठ घाट का निर्माण कराया गया है। साथ ही, व्रतियों के लिए स्वच्छता एवं पूजा-अर्चना की विशेष व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने केंद्रीय कारा पहुंचकर छठ पूजा की तैयारियों और व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने कारा परिसर में निर्मित छठ घाट की



साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था तथा छठ व्रतियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कारा अधीक्षक ने अधिकारियों को बताया कि इस वर्ष केंद्रीय कारा में कुल 137 बंदी छठ महापर्व का व्रत कर रहे हैं जिनमें 75 महिलाएं एवं 62 पुरुष शामिल हैं। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कारा अधीक्षक सहित संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ महापर्व के दौरान स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि व्रतियों को पूजा-अर्चना और भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। दोनों अधिकारियों ने कारा प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जेल परिसर में इस तरह के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों से बंदियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इससे उनकी धार्मिक भावनाओं को सम्मान मिलने के साथ-साथ मानसिक शांति, आत्मिक संतुष्टि तथा सुधार एवं पुनर्वास की प्रक्रिया को भी बल मिलता है। केंद्रीय कारा प्रशासन की यह पहल इस बात का संदेश देती है कि आस्था, श्रद्धा और संस्कृति की रोशनी कारागार की चारदीवारी के भीतर भी मानवता एवं सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

गृहभेदन कर चोरी करने के मामले में पांच विधि-विरुद्ध बालक समेत छह गिरफ्तार, चोरी के बर्तन व मूर्तियां बरामद



बीएनएम @ पहाड़पुर

थाना क्षेत्र में गृहभेदन कर चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए पांच विधि-विरुद्ध बालकों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में चोरी का सामान खरीदने वाला एक दुकानदार भी शामिल है। पुलिस ने इनके पास से चोरी के पीतल व तांबे जैसे पुराने बर्तन और देवी-देवताओं की मूर्तियां बरामद की हैं। इस संबंध में महेश प्रसाद, पिता स्व. रामजनम प्रसाद, निवासी गंगापिपरा के आवेदन पर पहाड़पुर थाना कांड संख्या 614/26, दिनांक 13 नवंबर 2026 को बीएनएस की धारा 331(4), 305, 317(2)(4)(5) एवं 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। थानाध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कमालपिपरा निवासी महेंद्र साह को गिरफ्तार किया। वहीं, गंगापिपरा के चार तथा संग्रामपुर थाना क्षेत्र के नंदपुर निवासी एक विधि-विरुद्ध बालक को निरुद्ध किया गया है। इसके अलावा चोरी का सामान खरीदने के आरोप में एक दुकानदार को भी गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की निशानदेही पर एक पुरानी कटोरी, चार छोटी-बड़ी थालियां, एक पुराना मग, चार छोटी-बड़ी लोटियां, दो दीपक, मां दुर्गा की एक मूर्ति तथा भगवान की दस छोटी-बड़ी मूर्तियां बरामद की गई हैं। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

पत्रकार की मां का हृदयगति रुकने से निधन दो साल पहले भैया दूज पर पिता को भी खोया

अचानक बिगड़ी तबीयत, मोतिहारी ले जाने के दौरान चिरैया के समीप रास्ते में तोड़ा दम

बीएनएम @ घोड़ासहन

दैनिक भास्कर के घोड़ासहन संवाददाता राहुल कुमार की मां रामदुलारी देवी (68 वर्ष) का हृदयगति रुकने से असामयिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, रामदुलारी देवी दीपावली और पर्व-त्योहार को लेकर दिनभर घरेलू कार्यों में व्यस्त थीं। बताया जाता है कि दीपावली की रात पटाखों की तेज आवाज के बीच उनकी तबीयत बिगड़नी शुरू हुई थी। इसी दौरान रात में अचानक सीने में तेज दर्द होने पर परिजन उन्हें इलाज के लिए मोतिहारी ले जा रहे थे। लेकिन, चिरैया के समीप रास्ते में ही उन्होंने अंतिम सांस ले ली। इस दुःखद घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। विडंबना यह है कि वर्ष 2024 में भैया दूज के दिन ही राहुल कुमार के पिता का निधन हुआ था। संयोगवश, ठीक दो वर्ष बाद उसी पर्व के दिन उनकी मां का भी निधन हो गया। इस असहनीय दुःख से परिवार के लोग गहरे सदमे में हैं। रामदुलारी देवी के निधन पर पूर्व विधायक पवन जायसवाल, नागेश्वर



प्रसाद, पूर्व प्रमुख नरेंद्र यादव, अजय सिंह, पुरुषोत्तम चौधरी, रामविनय यादव, भाजपा नेता प्रभुनारायण, सांसद प्रतिनिधि जीतू शाह, छात्र नेता आकाश सिंह राठौर एवं नीमा के अध्यक्ष डॉ. तबरेज आलम सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

पंडित नेहरू की मनाई गई 137वीं जयंती

बीएनएम @ मोतिहारी



भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं भारतरत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू की 137वीं जयंती जिला कांग्रेस कमिटी (गोविंदगंज) के तत्वावधान में पार्टी कार्यालय कांग्रेस आश्रम, बंजरिया परिसर में जिला अध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय की अध्यक्षता में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर अध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मौके पर श्री राय ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण जीवन का त्याग कर देश की आजादी के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उन्हें कई बार लंबी अवधि तक जेल में रहना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद उनका हौसला कभी कम नहीं हुआ। वे लगातार देशवासियों को प्रेरित करते रहे और आजादी की लड़ाई में अपना अमूल्य योगदान देते रहे। कहा कि 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के बाद पंडित नेहरू जी को स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बनने का गौरव प्राप्त हुआ। उस समय देश बुनियादी सुविधाओं, बड़े अस्पतालों और औद्योगिक संस्थानों के मामले में काफी पिछड़ा हुआ था। ऐसे कठिन दौर में पंडित नेहरू जी ने अपनी दूरदर्शी सोच, कुशल नेतृत्व और आधुनिक भारत के निर्माण के संकल्प के साथ देश को विकास की नई दिशा दी। उनके नेतृत्व में आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों तथा भाखड़ा-नांगल बांध जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं के विकास को गति मिली। उनके प्रयासों ने आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखने में अहम भूमिका निभाई। मौके पर ओसैदूर रहमान खान, मदन प्रसाद, अनवर आलम अंसारी, रामप्रवेश तिवारी, आबिद हुसैन अंसारी, आबिद हुसैन, रंजीत पांडेय, अजहर हुसैन, नेयाज अहमद खान सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

सुगौली के घाट तैयार, आज व्रती देंगे अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य

» बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में छठ पूजा को लेकर चरम पर उत्साह

बीएनएम @ मृत्युंजय पाण्डेय

सुगौली। लोक आस्था, श्रद्धा और सूर्योपासना का महापर्व छठ पूजा को लेकर सुगौली में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। छठ घाटों की साफ-सफाई, सजावट और रोशनी की व्यवस्था लगभग पूरी कर ली गई है। आज छठ व्रती अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को प्रथम संध्या अर्घ्य अर्पित करेंगे। महापर्व को लेकर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। पूरे क्षेत्र में छठमय माहौल बना हुआ है। छठ महापर्व केवल सूर्योपासना और लोक आस्था का पर्व ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सहयोग और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भी अनुपम उदाहरण है। इस पर्व



में जाति, धर्म, वर्ण और आर्थिक विषमता का भेदभाव मिट जाता है। छठ पूजा की परंपरा में महादलित समुदाय द्वारा निर्मित बांस के सूप का विशेष महत्व है। वहीं, पूजा की सामग्री रखने के लिए बांस से बने दौरा और बड़े टोकरे, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'छइटा' कहा जाता है, का उपयोग किया जाता है। छठ व्रती भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के लिए प्रकृति से प्राप्त विभिन्न फल, सब्जियां और अन्य सामग्रियां अर्पित करते हैं। इनमें गन्ना, अदरक, मूली, केला, मटर, सुथनी सहित कई मौसमी फल और कंद-मूल शामिल हैं। व्रती छठी मईया और भगवान सूर्य से अपने पुत्र, परिवार तथा सगे-संबंधियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हैं। नदियों, तालाबों और अन्य जलाशयों के किनारे बने छठ घाटों पर अमीर-गरीब और ऊंच-नीच का भेद समाप्त हो जाता है। सभी लोग एक साथ खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। बुजुर्गों का कहना है कि यह प्राचीन परंपरा मानवता और समानता का संदेश देती है। मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसकी मानवता में है, न कि जाति और वर्ण के आधार पर। छठ महापर्व सामाजिक एकता, परस्पर सहयोग, सहकार, सामंजस्य और प्रेम की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। पौराणिक मान्यताओं में भी छठ महापर्व का विशेष उल्लेख मिलता है। मान्यता है कि रामायण काल में लंका विजय के बाद अयोध्या लौटने पर कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान श्रीराम और माता सीता ने उपवास रखकर सूर्यदेव की आराधना की थी। सप्तमी तिथि को सूर्योदय के समय पुनः अनुष्ठान कर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया था। वहीं, दूसरी मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में हुई थी। कहा जाता है कि सबसे पहले दानवीर सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्यदेव की उपासना शुरू की थी। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे। वे प्रतिदिन घंटों कमर तक जल में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते थे। मान्यता है कि सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान योद्धा बने। आज भी छठ पर्व में जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा उसी प्राचीन उपासना पद्धति की याद दिलाती है। कुछ अन्य पौराणिक कथाओं में पांडवों की पत्नी द्रौपदी द्वारा भी सूर्यदेव की उपासना किए जाने का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि वे अपने परिवार के उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना से सूर्यदेव की पूजा करती थीं। मान्यताएं और कथाएं चाहे जो भी हों, छठ महापर्व की सबसे बड़ी विशेषता अस्ताचलगामी और उदयगामी दोनों सूर्य की उपासना करना है। यह परंपरा जीवन में आस्था, धैर्य और विश्वास का संदेश देती है। डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर जहां अस्त होते समय भी सम्मान और श्रद्धा प्रकट की जाती है, वहीं उगते सूर्य को अर्घ्य देकर नई ऊर्जा, आशा और सकारात्मकता का स्वागत किया जाता है। सचमुच, छठ महापर्व भारतीय संस्कृति की ऐसी अनुपम परंपरा है, जो प्रकृति के सम्मान, पारिवारिक मंगलकामना, सामाजिक एकता और मानवीय संवेदनाओं को एक सूत्र में पिरोती है। यही वजह है कि यह पर्व पीढ़ी-दर-पीढ़ी लोगों की आस्था और विश्वास का केंद्र बना हुआ है।

उत्तरी बरियरिया में 100 से अधिक किसानों के बीच निःशुल्क तोरी बीज का वितरण

बीएनएम @ संग्रामपुर

किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ तिलहन की खेती के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संग्रामपुर प्रखंड की उत्तरी बरियरिया पंचायत में पैक्स अध्यक्ष सुशील दुबे द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। उनके नेतृत्व में पंचायत के 100 से अधिक किसानों के बीच निःशुल्क तोरी के बीज का वितरण किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को तिलहन फसलों की खेती के प्रति जागरूक करना, कृषि का दायरा बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। इसके माध्यम से किसानों को अपने खेतों में तोरी की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि वे अपनी उपज से तेल प्राप्त कर परिवार की जरूरतों को पूरा कर



सकें। इस अवसर पर पैक्स अध्यक्ष सुशील दुबे ने कहा कि आज बाजार में उपलब्ध खाद्य तेल पर लोगों की निर्भरता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में यदि किसान अपने खेतों में तोरी एवं अन्य तिलहन फसलों की खेती करें तो अपनी उपज से तेल निकलवाकर परिवार के लिए शुद्ध खाद्य तेल की व्यवस्था कर सकते हैं। इससे जहां घरेलू खर्च में कमी आएगी, वहीं किसानों को अतिरिक्त आमदनी का अवसर भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को केवल धान और गेहूं की खेती तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मौसम और मिट्टी के अनुकूल अन्य फसलों की खेती को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। तिलहन की खेती किसानों के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी साबित हो सकती है। इसी उद्देश्य से किसानों के बीच निःशुल्क बीज वितरण की पहल की गई है। पैक्स अध्यक्ष की इस पहल से स्थानीय किसानों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। बीज प्राप्त करने वाले किसानों में कृष्णा पटेल, बीरेंद्र दुबे, रमेश पाण्डेय, बैकलेस कुमार और कन्हैया पासवान सहित 100 से अधिक किसान शामिल हैं। किसानों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय-समय पर उन्हें गुणवत्तापूर्ण बीज और कृषि संबंधी उचित मार्गदर्शन मिलता रहे तो खेती को और अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। स्थानीय स्तर पर किसानों को प्रोत्साहित करने की यह पहल न केवल तिलहन उत्पादन बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में भी सहायक साबित हो सकती है।

एक ही चैंपियनशिप में कृति ने दो बार जीता गोल्ड, अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिखाएगी दमखम

» जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर बढ़ाया जिले का मान, 28 नवंबर से पंजाब में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

बीएनएम @ तुरकौलिया

मेहनत, लगन और खेल के प्रति जुनून हो तो सफलता की राह आसान हो जाती है। इसे साबित कर दिखाया है मोतिहारी की बेटी कृति ने। पटना के खेल भवन में 11 से 13 नवंबर तक आयोजित राज्यस्तरीय तलवारबाजी चैंपियनशिप 2026-27 में कृति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। उसने जूनियर और सीनियर, दोनों वर्गों में गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। रघुनाथपुर मोहल्ला निवासी शिक्षक सुधाकर कुमार सिंह की पुत्री कृति ने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए जूनियर एपी गर्ल्स और सीनियर एपी गर्ल्स वर्ग में स्वर्ण



पदक हासिल किया। एक ही चैंपियनशिप में दो अलग-अलग वर्गों में गोल्ड जीतकर उसने जिले का गौरव बढ़ाया है। कृति आर्य विद्यापीठ, बालगंगा में इंटरमीडिएट की छात्रा है। उसके पिता सुधाकर कुमार सिंह घुसियार स्कूल में प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। वे मूल रूप से संग्रामपुर प्रखंड के परसौना गांव के निवासी हैं। राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में दोहरी सफलता हासिल करने के बाद कृति का चयन 28 नवंबर से पंजाब में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इस प्रतियोगिता में वह बिहार का प्रतिनिधित्व करेगी। उसकी नजर अब राष्ट्रीय स्तर पर भी पदक जीतकर राज्य और जिले का नाम रोशन करने पर है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के कोच राकेश कुमार ने कृति के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उसमें बेहतर प्रदर्शन करने की पूरी क्षमता है। वह आत्मविश्वास और एकाग्रता के साथ मुकाबले में उतरती है। कृति की इस उपलब्धि से उसके परिवार के साथ-साथ रघुनाथपुर और पूरे जिले में खुशी का माहौल है। पूर्व मुखिया अमिता राजन, विनय कुमार सिंह, संग्रामपुर मुखिया संघ के अध्यक्ष रवि सिंह सहित कई लोगों ने कृति को बधाई दी है। साथ ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उसके बेहतर प्रदर्शन और सफलता की कामना की है।

संक्षिप्त समाचार

पिस्टल का भय दिखाकर फाइनेंस कर्मी से बाइक व सामान की लूट, तीन बदमाश फरार

» नहर से बरामद हुआ टैब और बायोमेट्रिक मशीन, पुलिस ने शुरू की जांच

बीएनएम @ घोड़ासहन। सपहा चौक और घुघुआ गांव के बीच शुक्रवार की देर शाम अपाची बाइक सवार तीन बदमाशों ने पिस्टल का भय दिखाकर भारत फाइनेंस कंपनी के एक कर्मी से बाइक समेत अन्य सामान छीन लिया और मौके से फरार हो गए। हालांकि, ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने शनिवार की सुबह ललुआ गांव स्थित छठ घाट के पास नहर से बैग बरामद किया। बैग में छीना गया टैब और बायोमेट्रिक डिवाइस मशीन मिली। मिली जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के छोटका घुघुआ निवासी मनीरंजन कुमार भारत फाइनेंस कंपनी में कार्यरत हैं। शुक्रवार को वह ढाका स्थित कार्यालय में कंपनी का काम निपटाकर अपनी स्प्लेंडर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सपहा चौक और घुघुआ गांव के बीच पीछे से अपाची बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। बदमाशों ने पिस्टल का भय दिखाकर उन्हें बाइक से नीचे गिरा दिया और उनकी बाइक समेत अन्य सामान लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की। वहीं, शनिवार की सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने ललुआ गांव स्थित छठ घाट के पास नहर से बैग बरामद किया। बैग में टैब और बायोमेट्रिक डिवाइस मशीन सहित अन्य सामान मिले। इस संबंध में थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने लूट की घटना से इनकार करते हुए बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। हालांकि, टैब, बायोमेट्रिक डिवाइस समेत अन्य सामान बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच-पड़ताल कर रही है।

पुलिस की कार्रवाई, 26 वारंट और एक कुर्की का निष्पादन

बीएनएम @ बगहा। अपराध नियंत्रण और शराबबंदी कानून के पालन को लेकर बगहा पुलिस ने अभियान चलाकर 26 वारंट और एक कुर्की का निष्पादन किया। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि धनहा थाना पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 62.6 लीटर देसी चुलाई शराब और दो मोटरसाइकिल बरामद की गईं। वहीं, बथवरिया थाना पुलिस ने नितीश चौधरी उर्फ भिखम चौधरी और दिनेश राम को गिरफ्तार किया। भैरोगंज थाना पुलिस ने मिरेन्द्र गुप्ता को गिरफ्तार कर उसके पास से 26.93 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की। सभी गिरफ्तार आरोपितों को न्यायालय भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। एसपी ने बताया कि वाहन जांच अभियान के दौरान कुल 280 वाहनों की जांच की गई, जिसमें यातायात नियमों के उल्लंघन पर 37 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। उन्होंने कहा कि अपराधियों की गिरफ्तारी, वारंट-कुर्की के निष्पादन और शराबबंदी कानून के पालन को लेकर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

गोदाम परिसर से ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी, थाने में शिकायत

बीएनएम @ बिहारीगंज। बिहारीगंज थाना क्षेत्र के एनएच-91 बाईपास स्थित नवीन यादव के सीमेंट गोदाम परिसर से एक ट्रैक्टर और ट्रॉली चोरी हो गई। मामले में पूर्णिया जिले के रुपौली थाना क्षेत्र के बलिया वार्ड संख्या-7 निवासी ट्रैक्टर मालिक मजीत कुमार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 12 नवंबर की रात चालक ट्रैक्टर को गोदाम परिसर में खड़ा कर घर चला गया था। 13 नवंबर को ट्रैक्टर चोरी होने की जानकारी मिली। इसके बाद काफी खोजबीन की गई, लेकिन ट्रैक्टर और ट्रॉली का पता नहीं चला। चोरी हुआ ट्रैक्टर लाल रंग का मैसी फर्ग्यूसन मॉडल एमएफ-7250 बताया गया है। थानाध्यक्ष लवकुश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही चोरों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

पत्रकार रमन कुमार को मातृ शोक

बीएनएम @ मुरलीगंज। मुरलीगंज थाना क्षेत्र के गंगापुर वार्ड संख्या-9 निवासी पत्रकार रमन कुमार की माता कल्याणी देवी (60) का शुक्रवार की संध्या पटना स्थित इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में निधन हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थीं और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। शुक्रवार शाम करीब छह बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र के पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश देगी छठी मैया की प्रतिमा

बीएनएम @ रजौली (नवादा)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर रजौली के नीचे बाजार में इस वर्ष विशेष आकर्षण देखने को मिलेगा। श्री सूर्य नारायण छठ पूजा समिति की ओर से भव्य वैष्णो देवी गुफा पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गुफा में श्रद्धालुओं को माता वैष्णो देवी के दरबार जैसा अनुभव कराने की तैयारी है। श्रद्धालु पानी और बर्फ पर चलकर दर्शन के लिए पहुंचेंगे। इस बार छठी मैया की प्रतिमा को 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' की थीम पर स्थापित किया जाएगा, जिसके माध्यम से बेटियों के सम्मान, शिक्षा और संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। वहीं, भगवान सूर्यदेव की प्रतिमा को जबलपुर क्रूज हादसे की थीम पर प्रदर्शित किया जाएगा। छठव्रतियों के सम्मान में पुष्प वर्षा के साथ श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क चाय और बोतलबंद पानी की व्यवस्था भी की जाएगी। समिति के अध्यक्ष राजा सिंह, श्री सूर्य नारायण मंदिर के अध्यक्ष संदीप वर्मा सहित अन्य सदस्यों ने बताया कि पंडाल निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह है और छठ पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

वाहन जांच अभियान में 1.10 लाख रुपये जुर्माना वसूला

बीएनएम @ मधेपुरा। जिला परिवहन कार्यालय की टीम ने शनिवार को जिले के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान रेलवे स्टेशन, कॉलेज चौक, सिंहेश्वर सहित अन्य क्षेत्रों में वाहनों की जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए करीब 1.10 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया। परिवहन विभाग के अनुसार, अभियान का उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना है। विभाग ने वाहन चालकों से सभी आवश्यक कागजात साथ रखने तथा हेलमेट, सीट बेल्ट सहित यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की है।

छठ घाटों पर तैनात रहेंगे अग्निशमन वाहन, विभाग अलर्ट

बीएनएम @ रजौली (नवादा)। लोक आस्था के महापर्व छठ को सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए रजौली अनुमंडल अग्निशमन विभाग अलर्ट है। अगलगी की घटनाओं से बचाव के लिए घाटों पर विशेष व्यवस्था की जा रही है। साथ ही छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को आग से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी रविंद्र राम ने बताया कि अनुमंडल क्षेत्र के तीन छठ घाटों पर अग्निशमन वाहन तैनात किए जाएंगे। इनमें रजौली के नीचे बाजार स्थित राज शिवाला छठ घाट, सिरदला छठ घाट और अकबरपुर के पिरौटा गांव स्थित छठ घाट शामिल हैं।

छठ घाटों की बदहाली पर ग्रामीणों में आक्रोश, चंदा जुटाकर खुद करा रहे सफाई

बीएनएम @ छौड़ादानो

कहीं जलकुंभी और गंदगी का अंबार तो कहीं गहरी नदी में उतरने की मजबूरी, सुरक्षा के इंतजाम नदारद





लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर चारों ओर उत्साह और भक्ति का माहौल है। लेकिन छौड़ादानो प्रखंड की कई पंचायतों में छठ घाटों की बदहाली ने प्रशासनिक व्यवस्था और जनप्रतिनिधियों की सक्रियता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कहीं घाटों पर जलकुंभी और गंदगी का अंबार लगा है तो कहीं खतरनाक ढलान और गहरे पानी के कारण छठव्रतियों की सुरक्षा खतरे में है। विडंबना यह है कि पर्व के मौके पर भी घाटों की सफाई और व्यवस्था के लिए ग्रामीणों को खुद चंदा जुटाना पड़ रहा है। इससे लोगों में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। नरकटिया विधानसभा मुख्यालय पंचायत में मुख्य रूप से चार स्थानों पर छठव्रती भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इनमें वार्ड संख्या एक, आठ और 11 के घाटों के अलावा लौकाहा टोला स्थित छठ घाट शामिल हैं। इनमें बैकुंठधाम मंदिर परिसर के समीप दुधौरा नदी तट पर स्थित घाट की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक है। यहां नदी काफी गहरी है और अर्घ्य देने के लिए व्रतियों को काफी नीचे उतरना पड़ता है। घाट पर समुचित सीढ़ी और सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से फिसलकर गिरने का खतरा बना हुआ है। इससे बुजुर्ग व्रतियों और बच्चों की सुरक्षा को लेकर ग्रामीण चिंतित हैं। घाट की बदहाली को लेकर स्थानीय निवासी सह छठ पूजा समिति के अध्यक्ष प्रेमशंकर प्रसाद और ग्रामीण अजीत कुमार ने बताया कि घाट से जलकुंभी और घेघड़ा हटाने के लिए ग्रामीणों ने अपने स्तर से पहल शुरू की है। इसके लिए मजदूरों से 10 हजार रुपये में बातचीत की गई है। खरना तक सफाई का काम पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि छठव्रतियों को अर्घ्य देने में परेशानी नहीं हो। वहीं, बैकुंठधाम निवासी शेतनंदन कुमार ने बताया कि ग्रामीणों को उम्मीद थी कि कोई जनप्रतिनिधि आगे आकर घाट की व्यवस्था दुरुस्त कराएगा, लेकिन किसी ने पहल नहीं की। इसके बाद ग्रामीणों ने खुद जिम्मेदारी उठाने का निर्णय लिया है। खरना के दिन मजदूर लगाकर अथवा सामूहिक श्रमदान से घाट की सफाई कराई जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि छठ घाटों की बदहाली केवल नरकटिया पंचायत तक सीमित नहीं है। प्रखंड की दर्जनों पंचायतों में घाटों का समुचित निर्माण नहीं हुआ है। जहां घाट मौजूद हैं, वहां भी साफ-सफाई, रोशनी, पहुंच पथ और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। हर साल छठ से पहले घाटों की व्यवस्था दुरुस्त कराने की उम्मीद जगती है, लेकिन ऐन मौके पर ग्रामीणों को ही चंदा जुटाकर व्यवस्था करनी पड़ती है।

पंचायत चुनाव टलने से सामाजिक सक्रियता में भी कमी–छठ घाटों की बदहाली के बीच पंचायत स्तर पर सामाजिक सक्रियता में आई कमी भी चर्चा का विषय बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव टलने के बाद स्थानीय नेतृत्व और युवा समाजसेवियों की सक्रियता पहले जैसी नहीं रह गई है। पहले छोटी-बड़ी समस्याओं को लेकर युवा और सामाजिक कार्यकर्ता सामूहिक पहल करते थे, लेकिन अब ऐसी गतिविधियां कम दिखाई दे रही हैं। लोगों के मुताबिक, पंचायतों में नई निर्वाचित व्यवस्था नहीं बनने और स्थानीय स्तर पर सामाजिक नेतृत्व की कमी का असर सामुदायिक कार्यों पर भी पड़ रहा है। यही वजह है कि कई जगह ग्रामीणों को खुद चंदा जुटाकर मजदूर लगाने या श्रमदान के सहारे घाटों की सफाई करानी पड़ रही है। ग्रामीणों का मानना है कि पंचायत चुनाव में देरी के बीच सामाजिक संगठनों, युवा समूहों और स्थानीय कार्यकर्ताओं को सामुदायिक जिम्मेदारियां निभाने के लिए आगे आना चाहिए। हालांकि, उनका यह भी कहना है कि सामाजिक पहल के साथ प्रशासन और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से छठ घाटों की नियमित साफ-सफाई, खतरनाक घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, पर्याप्त रोशनी और जरूरी निर्माण कार्य कराने की मांग की है। उनका कहना है कि छठ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामूहिक आस्था और सामाजिक एकजुटता का महापर्व है। ऐसे में घाटों की व्यवस्था पूरी तरह ग्रामीणों के भरोसे छोड़ देना प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है।

छठ की खुशियों में शामिल हुईं जरूरतमंद महिलाएं

» पूर्व मुखिया ने बांटी साड़ी और पूजन सामग्री

बीएनएम @ तुरकौलिया



लोक आस्था के महापर्व छठ पर सामाजिक एकता और सेवा भाव की अनूठी तस्वीर देखने को मिली। जब आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को पर्व की तैयारियों में परेशानी न हो, इसके लिए तुरकौलिया पूर्वी पंचायत की पूर्व मुखिया डॉ. बेबी आलम ने पहल की। उन्होंने करीब 120 महादलित, असहाय और जरूरतमंद महिला छठव्रतियों के बीच साड़ी और पूजन सामग्री का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने सभी व्रतियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और उनके परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। सहायता पाकर जरूरतमंद महिलाओं के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। डॉ. बेबी आलम ने कहा कि छठ केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और आपसी सहयोग का भी संदेश देता है। समाज के संपन्न लोगों को चाहिए कि वे पर्व की खुशियों में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को भी शामिल करें। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से छठ के अवसर पर जरूरतमंद महिलाओं के बीच साड़ी वितरण करती आ रही हैं। इससे उन्हें आत्मिक संतुष्टि मिलती है। उनका उद्देश्य है कि आर्थिक तंगी के कारण कोई भी महिला पर्व की खुशियों से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है। सभी धर्मों का मूल संदेश प्रेम, सेवा और भाईचारा है। इंसानियत के रिश्ते ही समाज को मजबूत बनाते हैं। यही कौमी एकता और गंगा-जमुनी तहजीब की असली पहचान है।

छठव्रतियों के बीच वितरण किया गया साड़ी व पूजन सामग्री

बीएनएम @ संग्रामपुर



छठ महापर्व के अवसर पर जरूरतमंद छठव्रतियों की सहायता के लिए संग्रामपुर प्रखंड की दक्षिणी बरियरिया पंचायत निवासी समाजसेवी रूपेश कुमार यादव ने सराहनीय पहल की। उन्होंने छठव्रतियों के बीच साड़ी, नारियल सहित विभिन्न पूजन सामग्रियों का वितरण किया। इस दौरान जरूरतमंद परिवारों के बीच पहुंचकर उन्होंने पर्व की खुशियां साझा कीं। छठ महापर्व को लेकर पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का माहौल है। ऐसे में समाजसेवी की इस पहल से जरूरतमंद परिवारों में खुशी देखी गई। छठव्रतियों ने साड़ी और पूजन सामग्री पाकर प्रसन्नता जताई। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता, सहयोग और भाईचारे का संदेश देने वाला कदम बताया। इस मौके पर रूपेश कुमार यादव ने कहा कि छठ महापर्व हमारी संस्कृति, परंपरा, आस्था और विश्वास का प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के साथ ही समाज में प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना बनाए रखने की सीख देता है। त्योहार की असली खुशी तभी है, जब समाज का हर वर्ग इसमें शामिल हो और किसी जरूरतमंद परिवार को अभाव का सामना नहीं करना पड़े। इसी उद्देश्य से छठव्रतियों के बीच साड़ी और पूजन सामग्री का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। सामाजिक सेवा के लिए किसी पद या प्रतिष्ठा की आवश्यकता नहीं होती। दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। रूपेश कुमार यादव की इस पहल की स्थानीय लोगों ने प्रशंसा की। मौके पर राजेश बैठा, राजेन्द्र महतो, मिथुन कुमार, दीपक यादव, गुड्डू यादव, विजय यादव, चंद्रशेखर कुमार सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

प्रशासन की पहल पर सुलझा गंदे पानी का विवाद

बीएनएम @ रामगढ़वा



थाना क्षेत्र के इनरवा गांव में सड़क पर गंदा पानी गिराने को लेकर दो पक्षों के बीच उपजा विवाद प्रशासन की सूझबूझ से टल गया। रामगढ़वा थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर और अंचलाधिकारी अमित कुमार की तत्परता से एक बड़ा विवाद होने से बच गया। जानकारी के अनुसार शनिवार को लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर इनरवा गांव के वार्ड 2 और 3 में मुख्य सड़क पर घरों का गंदा पानी बहाने को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हो गए। पिछले कई दिनों से लगभग 100 फीट तक सड़क पर गंदा पानी जमा था, जिससे ग्रामीण परेशान थे। इसी को लेकर कहासुनी बढ़ गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष संजीव मौआर और सीओ अमित कुमार खुद मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने स्थिति को समझा और तत्काल समाधान निकालने का निर्णय लिया। प्रशासन ने निर्णय लिया कि जलजमाव वाले स्थान पर राबिश गिराकर रास्ते को चलने लायक बनाया जाए, ताकि छठ व्रतियों को घाट तक जाने में परेशानी न हो। इसके बाद राबिश लदे ट्रैक्टर मंगवाए गए। जब ट्रैक्टर इनरवा गांव पहुंचे तो कुछ लोगों ने राबिश गिराने का विरोध शुरू कर दिया। स्थिति बिगड़ती देख थानाध्यक्ष ने खुद मोर्चा संभाला। इंस्पेक्टर संजीव मौआर ने हाथ में कुदाल लेकर स्वयं राबिश गिराना शुरू कर दिया। थानाध्यक्ष को खुद काम करते देख विरोध कर रहे लोग शांत हो गए और सहयोग करने लगे। देखते ही देखते जलजमाव वाली सड़क पर राबिश गिराकर उसे दुरुस्त कर दिया गया। प्रशासन की इस मानवीय और व्यावहारिक पहल की ग्रामीणों ने सराहना की है। ग्रामीणों का कहना है कि थानाध्यक्ष और सीओ ने समय रहते हस्तक्षेप कर न सिर्फ विवाद को शांत किया, बल्कि छठ पर्व से पहले रास्ते को ठीक कर व्रतियों को बड़ी राहत दी। अब गंदे पानी से होकर गुजरने की समस्या से काफी हद तक निजात मिल गई है। फिलहाल गांव में शांति व्यवस्था कायम है। प्रशासन ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर भविष्य में गंदा पानी सड़क पर न बहाने और सोख्ता निर्माण में सहयोग करने की अपील की है।

थानाध्यक्ष की पहल से दुरुस्त हुई मर्जदवा ढाला की सड़क, लोगों को राहत



बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। रक्सौल-नरकटियागंज रेलखंड के मर्जदवा स्टेशन के पश्चिम स्थित रेलवे ढाला के पास लंबे समय से क्षतिग्रस्त सड़क को पुरुषोत्तमपुर थानाध्यक्ष कमलेश भगत की पहल पर दुरुस्त कराया गया। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे होने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी हो रही थी। रेलवे फाटक खुलने के बाद क्षतिग्रस्त सड़क के कारण वाहनों की लंबी कतार लग जाती थी। वहीं, रात के समय आवागमन में दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। छठ महापर्व को देखते हुए शनिवार को थानाध्यक्ष ने जेसीबी मशीन मंगवाकर सड़क को समतल कराया और गड्ढों को भरवाकर तत्काल आवागमन योग्य बनवाया। इससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को राहत मिली है। लोगों ने थानाध्यक्ष की पहल की सराहना करते हुए संबंधित विभाग से सड़क की स्थायी मरम्मत कराने की मांग की है।

मानवता की मिसाल बनी महुआवा पुलिस, जरूरतमंद परिवारों के घर पहुंचाई छठ की खुशियां

बीएनएम @ छौड़ादानो



लोक आस्था एवं सूर्योपासना के महापर्व छठ के अवसर पर महुआवा थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदना की मिसाल पेश की। उनके नेतृत्व में जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बीच छठ पूजा की आवश्यक सामग्री, साड़ी तथा नए कपड़ों का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य गरीब परिवारों को भी छठ महापर्व की खुशियों में सहभागी बनाना और उनके घरों में पर्व की रौनक कायम रखना था। इस अवसर पर छौड़ादानो अंचल के पुलिस इंस्पेक्टर रंजय कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने जरूरतमंद परिवारों के बीच छठ पूजा से संबंधित सामग्री और वस्त्र वितरित किए। सामग्री एवं नए कपड़े पाकर लाभार्थियों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। गौरतलब है कि छठ महापर्व केवल धार्मिक आस्था और सूर्योपासना का पर्व ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, स्वच्छता, अनुशासन, त्याग और आपसी सहयोग का भी संदेश देता है। ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बीच पर्व की सामग्री एवं वस्त्रों का वितरण पुलिस की सामाजिक संवेदनशीलता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। थानाध्यक्ष की इस पहल की क्षेत्र में काफी सराहना हो रही है। महुआवा पंचायत के मुखिया पति संतोष गिरी एवं कोरैया पंचायत के मुखिया पति चंद्रमोहन राय ने इस नेक पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए थानाध्यक्ष मनोज कुमार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के अवसर पर जरूरतमंदों की मदद करना समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का सराहनीय कार्य है। इस तरह की पहल से न केवल गरीब परिवारों की खुशियां बढ़ती हैं, बल्कि पुलिस और आम जनता के बीच आपसी विश्वास, सहयोग एवं आत्मीयता का रिश्ता भी मजबूत होता है। मौके पर चौकीदार रुपेश कुमार, विजय राय, दफादार प्रमोद सिंह, लक्ष्मी पासवान, शंकर राय, रामप्रीत राय सहित पुलिसकर्मी सिकंदर कुमार, सुप्रिया शर्मा एवं अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

छठ पूजा की महिमा अपरम्पार है

सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा खरना के साथ इस वर्ष भी हर्षोल्लास से प्रारम्भ हो चुका है। जिसकी धूम विश्व भर में आज गूंज रही है। 15 नवम्बर नदी, तालाब के तट पर सूर्यास्त में डूबते सूर्य को संध्याकालीन अर्घ्य के साथ शुरू होकर 16, नवम्बर प्रातःकाल उगते सूर्यास्त को अर्घ्य देने के साथ पूजा की समाप्ति होगी। इस पूजा में शुद्धता का विशेष ध्यान दिया जाता है। व्रत करने वाला बिना अन्न जल ग्रहण किये श्रद्धा से इस पूजा को संपन्न करता है। इस पूजा में सभी प्रकार के मौसमी फल,ईख के साथ ठेकुआ का प्रसाद होता है। ठेकुआ को छठ व्रत करने वाला परिवार घर के अंदर हीं तैयार करता है। इस पूजा की महिमा अपरम्पार है। उगते सूर्य की पूजा सभी करते है पर यह विश्व की पहली ऐसी पूजा है जिसमें डूबते सूर्य की भी पूजा होती है। इस पूजा में व्रत करने वाले की हर कामना पूर्ण होती है। भारत के पूर्वांचल क्षेत्र से प्रारम्भ छठ पूजनोत्सव विश्व के हर क्षेत्र में श्रद्धा से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर बाहर गये सभी अपने -अपने घर लौटकर इस पूजा में शामिल होते है। भारत सरकार, राज्य सरकार इस पूजा को संपन्न कराने में हर तरह की मदद भी कर रही है। सरकारी अवकाश की भी कई राज्य कर चुके है। पूजनोत्सव से पूर्व छठ पूजा हेतु घाट बनाने, सफाई का कार्य आज राज्य सरकार भी श्रद्धा के साथ रूचि लेकर करती नजर आ रही है। यह सब छठ पूजा की बढ़ती महिमा को दर्शाता है। हर वर्ष इस पूजा का विस्तार होता जा रहा है। बदलते वक्त के साथ अब यह पर्व किसी एक क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह वैश्विक संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन, मॉरीशस और खाड़ी देशों समेत दुनिया के कोने-कोने में बसे प्रवासी भारतीय अब वहीं के स्थानीय जलाशयों, समुद्री तटों और कृत्रिम घाटों पर इस महापर्व को पूरी भव्यता के साथ मनाते हैं। इस दौरान सांस्कृतिक मेलजोल और भाईचारे की एक अनूठी मिसाल देखने को मिलती है। सुरक्षा और सुव्यवस्था की दृष्टि से जिला प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। घाटों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, गोताखोरों की तैनाती, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई के विशेष प्रबंध किए गए हैं ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। छठ महापर्व न केवल हमारी प्राचीन सनातन संस्कृति और लोक आस्था का जीवंत प्रतीक है, बल्कि यह समाज को एकजुट करने और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का भी एक महान संदेश देता है। (- स्वतंत्र पत्रकार साहित्यकार)

भारत को पुनः वैभव दिलाने हेतु संघ के प्रयास तेज

प्रहलाद सबनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 101 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। संघ ने अपनी स्थापना की शताब्दी हाल ही में पूर्ण की है एवं संघ अब अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। शताब्दी वर्ष के दौरान संघ एवं समाज द्वारा मिलकर कई बड़े कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों को समाज में अच्छा प्रतिसाद भी मिला। इन विभिन्न कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों एवं समाजजनों की बढ़ चढ़ कर भागीदारी रही। संघ की 100 वर्षों की यह एक अभिनव यात्रा है एवं समाज को साथ लेकर चलने की यात्रा है। साथ ही, समाज की सेवा के अथक प्रयासों की भी यह यात्रा है। इन 100 वर्षों में संघ ने क्या पाया, इसका सिंहावलोकन एवं मूल्यांकन करना आवश्यक है। 100 वर्ष अपने आप में एक पर्याप्त कालावधि है, जब किसी संगठन के कार्यों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

पिछले 100 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए एक बड़ी उपलब्धि यह रही है कि राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की अभिनव पद्धति के रूप में संघ की शाखा को देश एवं समाज के बीच में मान्यता मिली है। इसे संघ की बहुत बड़ी सफलता के रूप में देखा जा सकता है। शाखा की कार्यपद्धति के माध्यम से ही भारत के लाखों युवाओं में राष्ट्रत्व का भाव जगाया जा सका है एवं स्वयसेवकों का निर्माण कर उनके जीवन में परिवर्तन लाया जा सका है। आज नगरों एवं महानगरों के साथ ही सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी संघ की शाखाएं लगाई जा रही हैं एवं इनमें समाज के समस्त घटकों की भागीदारी दिखाई दे रही है। मन में देश भक्ति का भाव लेकर भारत का युवा, स्वयंसेवक बनता है एवं प्रतिदिन शाखा में आकर शाखा की कार्यपद्धति का अनुपालन करते हुए कब उसमें राष्ट्रत्व की भावना जागृत हो जाती है उसे पता ही नहीं चलता है। आज हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से कई अन्य देशों में भी शाखाएं लगाई जा रही है। विश्व में समस्त स्थानों पर लगाई जाने वाली शाखाओं की कार्यपद्धति समरूप है। भारत में आज अत्यंत समर्पित स्वयसेवकों की श्रृंखला खड़ी हो गई है एवं आज कई परिवारों की 5वीं एवं 6वीं पीढ़ी स्वयंसेवक के रूप में कार्य करते हुए दिखाई दे रही हैं। इस प्रकार, केवल स्वयंसेवक ही नहीं बल्कि उनके परिवार के सदस्य भी देश के लिए समर्पण की भावना के साथ संघ से जुड़े हुए हैं। संघ की कार्यपद्धति में दो श्रेणियों के माध्यम से कार्य सम्पन्न होते हैं। एक, संगठन श्रेणी, जिसके माध्यम से शाखा लगाई जाती है एवं स्वयंसेवक गढ़े जाते हैं। दूसरी, जागरण श्रेणी, जिसके माध्यम से स्वयसेवकों द्वारा समाज के बीच जाकर समाज परिवर्तन के प्रयास किए जाते हैं। समाज को जागृत करने के उद्देश्य से कुछ जागरण पत्रिकाओं का प्रकाशन भी किया जाता है, जिनकी पहुंच आज 3 लाख से अधिक गावों तक है। इसी प्रकार संघ के सम्पर्क विभाग के द्वारा समाज का नेतृत्व करने वाले संभ्रांत नागरिकों से सम्पर्क किया जाता है एवं इन्हें राष्ट्रीय विचारों से अवगत कराया जाता है जिसके चलते ही आज बड़ी मात्रा में समाज की सज्जन शक्ति संघ के साथ जुड़ गई है। संघ द्वारा 6 गतिविधियां भी प्रारम्भ की गई है - सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, समग्र ग्रामविकास, गोसेवा, कुटुंब प्रबोधन एवं धर्मजागरण। इन गतिविधियों के माध्यम से भी समाज को संघ के साथ जोड़ने के प्रयास किए जाते हैं। इस बीच, पंच परिवर्तन (स्व के भाव का जागरण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन एवं नागरिक कर्तव्य) के प्रयोग भी संघ द्वारा चलाए गए ताकि समाज के आचरण में परिवर्तन लाया जा सके। विभिन्न प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भी संघ पिछले 100 वर्षों के दौरान निरंतर आगे बढ़ता रहा क्योंकि संघ द्वारा शाखा पद्धति के रूप में एक अभिनव पद्धति का निर्माण एवं प्रयोग किया था। दूसरे, संघ व्यक्ति निरपेक्षता की नीति पर चलता आया है, अर्थात, स्वयसेवकों ने अपने आप को संगठन से सदैव नीचे रखा है। आज संघ की एक व्यापक संगठनात्मक रचना खड़ी हो गई है। संघ का लक्ष्य अपने संगठन को बड़ा बनाने का नहीं है बल्कि अपने संगठन को समाजव्यापी बनाने का लक्ष्य लेकर संघ आगे बढ़ रहा है। हिंदू समाज बड़ा बने एवं भारत एक बार पुनः परम वैभव की स्थिति पर आ जाए, यही संघ का मुख्य ध्येय है। भारतीय समाज पूर्ण रूप से एक रस हो जाए, इससे भी संघ की स्थापना के उद्देश्य की पूर्ति हो जाती है। संघ ने 100 वर्षों की एक लम्बी यात्रा सफलतापूर्वक तय कर ली है परंतु अभी भी बहुत कुछ कार्य शेष है। इस दृष्टि से आगे आने वाले समय में संघ के स्वयसेवकों के लिए करणीय कार्य क्या हो सकते हैं, इसका वर्णन हाल ही में संघ के माननीय सह सरकार्यवाह श्री अतुल लिमये जी द्वारा प्रदत्त एक उदबोधन में मिलता है। इन करणीय कार्यों को तेजी से सम्पन्न करने की आज आवश्यकता है क्योंकि इस दृष्टि से संघ की प्रतिस्पर्धा आज किसी अन्य संगठन के साथ नहीं बल्कि समय के साथ है।

राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की प्रक्रिया चलाने वाली शाखाओं का विस्तार तेजी से करने की आज आवश्यकता है। आज पूरे देश में लगभग 72.42 प्रतिशत बस्तियों एवं 69 प्रतिशत मंडलों में संघ की शाखाएं एवं साप्ताहिक मिलन चलाए जा रहे है। इसका आशय यह है कि देश में लगभग 30 प्रतिशत बस्तियां एवं 31 प्रतिशत मंडल अभी भी संघ कार्य विहीन हैं। अतः प्रथम लक्ष्य है कि तेज गति से उक्त शेष बस्तियों एवं मंडलों में शखाएं खड़ी हो जाए। राम मंदिर निधि संकलन अभियान के समय लगभग 14 करोड़ परिवारों से सम्पर्क किया गया था, एक परिवार में यदि 5 सदस्य माने जाय तो लगभग 70 करोड़ नागरिकों के साथ उस समय सम्पर्क हुआ था। अतः देश की कुल जनसंख्या के 50 प्रतिशत नागरिकों के साथ केवल 45 दिनों में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सम्पर्क किया गया था। हालांकि इस अभियान में स्वयसेवकों के साथ समाज के अन्य संगठन एवं नागरिक भी जुड़े थे। अतः शेष बस्तियों एवं मंडलों में संघ की शाखा की स्थापना के कार्य को समाजजन के सहयोग से गति दी जा सकती है। भारत में आज संघ के स्वयंसेवकों के गुणों के चलते उनकी एक अलग पहिचान है। सादगी, मितव्यितता, प्रामाणिकता, अनुशासन, समर्पण का भाव आदि तत्व स्वयसेवकों के गुणों में शामिल हैं। समाज जीवन में संघ की पहिचान संघ के स्वयंसेवक के माध्यम से ही बनती है। मीडिया सहित प्रचार के विभिन्न माध्यमों से संघ के विरोध में बहुत कुछ चलता भी रहता है परंतु समाज में इसका प्रभाव दिखाई नहीं देता है, क्योंकि स्वयंसेवक के गुण कुछ अलग ही कहानी वर्णित करते हैं। शाखा के गुणवत्ता पूर्ण कार्यक्रम स्वयंसेवक में राष्ट्रत्व का जो भाव गढ़ते हैं वह स्वयंसेवक में स्पष्ट रूप से दिखाई भी देता है। इस भाव को आज आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। शाखा विस्तार के साथ साथ स्वयसेवकत्व के उक्त गुणों को भी बनाए रखना आवश्यक है। आज संघ के विचार को समाज के बीच ले जाने की भी महती अवस्यकता है। इसके लिए स्वयसेवकों को समाज के बीच में जाकर कार्य करने पड़ेंगे। समाज में वैचारिक विमर्श का निर्माण करने की आवस्यकता है। भारत को यदि परम वैभवशाली देश बनाना है तो समाज का मन अनुकूल रखना होगा। देश की अपनी व्यवस्थाओं के प्रति आस्था रखने वाला समाज तैयार करना होगा। नागरिक कर्तव्य के बोध को बढ़ावा देने वाला समाज होना चाहिए। आज भारत में कुछ शक्तियां समाज में छोटे छोटे विभेद को बड़ा करने का प्रयास करती हुई नजर आ रही है। समाज के बीच अनास्था का निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्य को समाज के बीच फैलाने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया, आदि माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। अतः समाज के बीच राष्ट्रीय विचारधारा से ओतप्रोत विचार प्रसारित करने हेतु अकादमिक जगत के नागरिकों को अपने साथ जोड़ना होगा एवं विमर्श तैयार करना होगा ताकि समाज को राष्ट्रानुकूल बनाया जा सके। आज समाज का प्रत्यक्ष आचरण बदलने की भी आवश्यकता है। समाज के बीच आपस में विषमता एवं कटुता के कुछ उदाहरण आज भी दिखाई देते हैं। इससे समाज में समरसता प्रभावित होती हुई दिखाई देती है। आचरण बदलने के लिए अपनी एक व्यवस्था खड़ी करने की आवश्यकता है, जिससे समाज को समरस बनाया जा सके। विभिन्न समाजों के बीच कटुता फैलाने के लिए कुछ बाहरी शक्तियां भी सक्रिय बनी हुई हैं। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को बल देकर समाज जीवन का आचरण बदलने के प्रयास किए जा सकते हैं। समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करना होगा। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को स्वयं के आचरण में लाकर ही नागरिकों का स्वभाव भी बदला जा सकता है। इस संदर्भ में कुछ रचनाएं खड़ी करने एवं कार्यपद्धती विकसित करने की आवश्यकता भी होगी।

यह सही है कि आज समाज जीवन में कुछ समस्याएँ भी दिखाई देती हैं। जैसे, भ्रष्टाचार, युवाओं में नशे का बढ़ता प्रभाव, कुटुंब विच्छेद,, जमीन के जल स्तर में कमी, रासायनिक खाद का बढ़ता उपयोग, महंगी हो रही शिक्षा, आदि। इन समस्याओं का समाधान कैसे करना है, इस विषय पर भी भी आज विचार करने की आवश्यकता है। इसी प्रकार समाज में आज कुछ चुनौतियां भी मुंह बाये खड़ी है, जैसे मतांतरण, बड़ी मात्रा में जनसंख्या असंतुलन, सीमावर्ति क्षेत्रों में जनसंख्या का परिवर्तन, आदि। हम हिंदू नहीं है इस भाव को भी समाज के बीच फैलाने के प्रयास हो रहे है। विच्छेद निर्माण करने वाले आंदोलन हो रहे हैं एवं समाज के बीच अलगाव को बढ़ावा देने के प्रयास कुछ विदेशी ताकतों द्वारा किए जा रहे हैं। इन चुनौतियों का उत्तर भी देने की आज आवश्यकता है। शासन तो अपना काम कर ही रहा है परंतु समाज को भी इस संदर्भ में आज जगाने की आवश्यकता है। इस महती कार्य में सम्पूर्ण समाज की सहभागिता आवश्यक है। समाज जीवन में वैचारिक विमर्श को लेकर सम्पूर्ण समाज को जोड़ना होगा। इस पुनीत कार्य में समाज की सहभागिता कैसे बढ़ाना इसके लिए गम्भीरता से काम करने की आज आवश्यकता है। देश के लिए कुछ अच्छा करने का भाव समाज के बीच जागृत हुआ है एवं एवं समाज में कुछ नागरिक देश के लिए अच्छा काम करना चाहते हैं।

नरक से मुक्ति और अकाल मृत्यु से रक्षा का पर्व है नरक चतुर्दशी

योगेश कुमार गोयल

कार्तिक कृष्ण पक्ष में मनाए जाने वाले पांच दिवसीय दीपोत्सव का दूसरा पर्व नरक चतुर्दशी है, जिसे छोटी दीपावली, रूप चतुर्दशी और काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के अगले दिन मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक आस्था, पौराणिक मान्यताओं और आध्यात्मिक संदेशों का अनूठा संगम है। 'नरक चतुर्दशी' नाम से ही स्पष्ट होता है कि इसका संबंध मृत्यु के देवता यमराज और नरक से मुक्ति की मान्यता से जुड़ा है। धार्मिक विश्वास है कि इस दिन यमराज की पूजा, व्रत और दीपदान करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है तथा मनुष्य को नरक की यातनाओं से मुक्ति मिलती है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, अत्याचार पर न्याय और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। इस पर्व पर अभ्यंग स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि सूर्योदय से पूर्व शरीर पर तिल का तेल लगाकर उबटन करने और स्नान करने से रूप, सौंदर्य तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसी कारण इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन घरों की साफ-सफाई, दीप प्रज्वलन, हनुमान जी की पूजा और यमराज के निमित्त दीपदान करने की परंपरा भी प्रचलित है। विशेष रूप से घर के बाहर दक्षिण दिशा में दीपक जलाकर यमराज से परिवार की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की जाती है। इस वर्ष चतुर्दशी तिथि दो दिन रहने के कारण पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 7 नवंबर को सुबह 10 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ होकर 8 नवंबर को सुबह 11 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। प्रदोष काल में चतुर्दशी तिथि होने के कारण यम दीपदान, हनुमान पूजा और काली चौदस की पूजा 7 नवंबर को की जाएगी जबकि उदयातिथि के अनुसार 8 नवंबर की सुबह अभ्यंग स्नान होगा। नरक चतुर्दशी केवल धार्मिक कर्मकांड का पर्व नहीं है बल्कि जीवन से नकारात्मकता, अहंकार और बुराइयों को दूर कर सद्गुणों का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। इसका संदेश है कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को मिटाता है, उसी प्रकार सदाचार, विवेक और सकारात्मकता मनुष्य के जीवन से अज्ञान तथा विकारों के अंधकार को दूर कर सकते हैं। 'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल



चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है। यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी। नरक चतुर्दशी के साथ भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई। धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है। (लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' पुस्तक के लेखक हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मज़बूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी होती है

किशन सनमुखदास भावनानी

सृष्टि रचनाकर्ता ने मानवीय जीव के रूप में बहुत ही खूबसूरत रचना कर उसमें अनेक गुण दोषों का संयोजन उसने कर दिया है और उनका चुनाव करने के लिए श्रेष्ठ बुद्धि कौशलता रुपी एक सशक्त अस्त्र भी दिया है, बस !अब अपने जीवन चक्र को सफलताओं या असफलताओं की ओर ले जाना मानवीय जीव के हाथ में है।माननीय जीवन ने गुणों क़े उनके गुणों में से एक इच्छाशक्ति महत्वपूर्ण गुण है जो सफलता की चाबी भी है,परंतु न जाने क्यों हम इसको अनदेखा कर देते हैं और हम असफल हो जाते हैं और उसका दोष किस्मत या सृष्टि रचनाकर्ता को देते हैं जबकि उसनें मनुष्य जीव में गुणों का अंबार भरा है, बस !जरूरत है हमें अपने बुद्धि कौशलता से उसे पहचान कर प्रयोग करने की,तो सफलता आकर हमारे कदम चूमेगी।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दृढ़ इच्छाशक्ति यह सफ़लताओं की चाबी है।मजबूत इच्छाशक्ति के आगे हर समस्या छोटी हो जाती है, क्योंकि प्रबल इच्छा शक्ति मुसीबतों से लड़ने की कुंजी है जिसके बल पर हम बड़ी से बड़ी पहाड़ तुल्य समस्याओं से भी यूं मुकाबला कर फ़तह हासिल कर सकते हैं।

साथियों हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही आपको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है।

साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति की परिभाषा की करें तो, इच्छाशक्ति वह वृत्ति चक्र है जिसके अंतर्गत प्रत्यय, अनुभूति इच्छा, गति या प्रवृत्ति, शरीर धर्म सबका योग रहता है। जो संकल्प को साकार करने का माध्यम बनती है वह इच्छाशक्ति कहलाती है। ऐसी बलवती इच्छा को जिसकी ज्योति अहर्निश कभी मंद न हो, उसे दृढ़ इच्छाशक्ति कहते हैं। हम सबके जीवन में कई बार ऐसी स्थितियां आती हैं, जब हमें लगता है कि सब कुछ गड़बड़ हो रहा है। ऐसी स्थिति में इच्छाशक्ति ही हमको मुसीबतों से लड़ने में मदद करती है। इस शक्ति के अंतर्गत दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, कार्य करने की अनवरत चेष्टा और अध्यवसाय आदि गुण आ जाते हैं। यह शक्ति मनुष्य के मुखमंडल पर अपूर्व तेज उत्पन्न करती है और आंखों में सम्मोहन का जादू लाती है।



साथियों बात अगर हम दृढ़ इच्छाशक्ति के टाइमिंग की करें तो, जीवन में किसी भी चीज को पाने के लिए मेहनत से पहले मजबूत इच्छाशक्ति का होना बेहद जरूरी है। जैसे, कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति शुरुआत में किसी चीज को पाना चाहता है लेकिन धीरे-धीरे उसका हौंसला टूटने लगता है या उसका मन बदल जाता है, ऐसा कमजोर इच्छाशक्ति के कारण होता है इसलिए किसी भी चीज को पाने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति का होना बहुत जरूरी है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं, ऐसी बातें जिनपर अमल करके हमारी इच्छाशक्ति मजबूत होगी। साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति को मजबूत करने की करें तो, अपने काम पर दृढ रहें, अपनी इच्छा शक्ति को बहुत ज्यादा मजबूत बनाने के लिए यह भी एक बहुत ही अच्छा तरीका है कि हम अपने काम पर बहुत जबरदस्त तरीके से फोकस करें। यानें हम अपने काम पर दृढ़ रहें। कोई कुछ भी कहे अगर हमने यह मन बना लिया है कि हमको ये काम करना है तो हमको ये काम करना ही करना है। हमको किसी और बातों पर ध्यान नहीं देना है। अगर हम अपने काम पर दृढ रहेंगे तो हमारा दिमाग यह बात समझ लेगा कि यह चीज हमारे जीवन में बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है इसलिए हम इस काम को बहुत ही दिल से मन लगा कर दृढ़ प्रतिज्ञ होकर कर रहे हैं। साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति के लिए लक्ष्यों की करें तो, हम अपना लक्ष्य निश्चित करें अगर हमको हमारे जीवन में सफलता चाहिए तो यह हमारे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि सबसे पहले हम हमारे जीवन में अपने लक्ष्य को निश्चित करें। तब ही हम किसी चीज को अपने जीवन में फॉलो कर पाओगे। नहीं तो ऐसे हम अपने जीवन में किस चीज को फॉलो करोगे, किस चीज के लिए हम विल पावर बढ़ाएंगे, तो सबसे पहले हमारे लिए जरूरी है कि हम अपने जीवन में लक्ष्य को निर्धारित करें। एक बार हम अपने जीवन में अपने लक्ष्य को निर्धारित कर लेंगे उसके बाद हमारा दिमाग लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करने लगेगा। बस हम अपने लक्ष्य पर दृढ़ रहें।

साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति को जगाने की करें तो, निम्न बिंदुओं पर अभ्यास कर इच्छाशक्ति को जाग्रत किया जा सकता है। इच्छाशक्ति को मजबूत बनाने के लिए शुरुआत करने के लिए सबसे पहले हमें तनाव के स्तार का प्रबंधन करने की जरूरत होती है।(1) सकारात्मक नजरिया (2)तनाव प्रबंधन करना सीखें (3) खुद पर पूरा विश्वास रखें (4)बेहतर ऊर्जा प्रबंधन करें (5) अंतः शक्तियों को केंद्रीभूत करें (6) स्वयं के प्रति ईमानदार बनें (7) सही पोषण, योग और व्यायाम। साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति के टॉनिक की करें तो, जैसे हैं वैसे ही बने रहें दिखावा बिल्कुल भी मत करें हम जैसे भी हो वैसे ही बने रहें। किसी भी प्रकार का कोई शो ऑफ करने की कोई जरूरत नहीं है। अगर हम कोई एक चीज जैसे हो वैसे ही प्राप्त करते हो तो वह चीजें हमको जिंदगी भर तक हमारे साथ रहती है और हमको अच्छा रिजल्ट भी मिलता है। दरअसल यह चीज हम अपने वास्तविक परिश्रम से हासिल किए रहते हो इसलिए वह जिंदगी भर हमारे साथ रहती है और यह हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है। ना केवल हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है बल्कि हमारे आत्मविश्वास को भी सटीक रूप से बढ़ाता है।

साथियों बात अगर हम इच्छा शक्ति के रोडमैप की करें तो, पेपर पर अपने लक्ष्य को लिखें इसके लिए हमको थोड़ी दिमागी कसरत भी करनी पड़ेगी। बेहतर होगा कि हम अपना लक्ष्य पेपर पर लिखकर उससे जुड़ी चुनौतियां भी लिख लें, इससे हमको उन चुनौतियों से कैसे लड़ना है, यह भी अंदाजा हो जाएगा। आत्मविश्वास और इच्छाशक्तिजीवन में कई बार ऐसे मौके आएंगे, जब हमारा विश्वास डगमगाने लग जाएगा और हमको लगेगा कि हमारा लक्ष्य व्यर्थ है, लेकिन उस वक्त हमको इन नकरात्मकताओं से दूर रहकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना है। साथियों बात अगर हम इच्छाशक्ति को चिंता से दूर करने की करें तो, चिंता ना करें, चिंतन करें: किसी भी बात की चिंता मत करें। बल्कि उसके बारे में चिंतन करें कि इसका समाधान क्या हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान और विशेष रूप से लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलने से अटके हुए काम समय पर पूरे होंगे। दोस्तों के साथ किसी मनोरंजक यात्रा का प्लान बन सकता है। पारिवारिक जीवन में शांति और प्रसन्नता बनी रहेगी। किसी पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिलने की संभावना है।

वृष राशिः आज आपका रुझान रचनात्मक कार्यों और सामाजिक गतिविधियों की ओर रहेगा। वरिष्ठ और अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा। आर्थिक मामलों में थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। बेवजह के खर्चों से दूर रहें। जीवनसाथी के साथ समय बिताने से मन बहुत प्रसन्न रहेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए नई सौगात लेकर आ सकता है। मीडिया, कला और संचार के क्षेत्र से जुड़े लोगों को तरक्की के नए अवसर मिलेंगे। व्यापार में किसी नई डील को लेकर चर्चा हो सकती है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाने का योग बन रहा है। सेहत आपकी बिल्कुल उत्तम रहेगी। भविष्य की योजनाओं पर गंभीरता से विचार करने का यह सही समय है।

कर्क राशिः आज आपको अपनी भावनाओं पर थोड़ा नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। काम के सिलसिले में की गई यात्राएं सफल रहेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन उधारी के लेन-देन से बचें। घर-परिवार में मांगलिक कार्य की रूपरेखा बन सकती है। मित्रों का भरपूर साथ हमेशा मिलेगा। अचानक मिलने वाले शुभ समाचार से मन आनंदित हो उठेगा।

सिंह राशिः आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर आपके नेतृत्व की सराहना की जाएगी, जिससे उच्च अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। अटकी हुई कोई पुरानी योजना फिर से शुरू हो सकती है। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में मन मुताबिक सफलता मिलने के योग हैं। प्रेम संबंधों में मिठास बढ़ेगी। कार्यकुशलता के बल पर आप कठिन परिस्थितियों को भी अपने अनुकूल बना लेंगे।

कन्या राशिः आज का दिन मिले-जुले परिणाम लेकर आएगा। काम की अधिकता के कारण मानसिक थकान महसूस हो सकती है, इसलिए बीच में आराम जरूर करें। सहकर्मियों से विवाद में पड़ने से बचें। किसी करीबी मित्र से कोई बहुमूल्य सलाह मिल सकती है, जो भविष्य में काम आएगी। ईश्वर की आराधना से आपको मानसिक शांति और संबल प्राप्त होगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहद सुखद रहने वाला है। कारोबार में विस्तार के नए रास्ते खुलेंगे। लंबे समय से रुका हुआ कोई सरकारी काम आज पूरा हो सकता है। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और परिवार के साथ किसी बेहतरीन शाम का आनंद उठाएंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यापारिक मामलों में थोड़ी सी सूझबूझ आपको बड़ा मुनाफा दिला सकती है।

वृश्चिक राशिः आज आपको अपनी वाणी और गुस्से पर संयम रखने की सलाह दी जाती है। बिजनेस में किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, कागजी कार्रवाई पूरी रखें। छात्रों का मन पढ़ाई से भटक सकता है, एकाग्रता बनाए रखें। संध्या के समय किसी पुराने परिचित से मुलाकात मन को राहत देगी। धैर्य और संयम से किए गए प्रयास अंततः रंग अवश्य लाएंगे।

**ध

आईएसपीएल के चौथे सत्र के लिए प्लेयर ऑक्शन आज, आठ फ्रेंचाइजी तैयार करेंगी अपनी टीमें

दोपहर चार बजे से होगी नीलामी, सचिन तेंदुलकर, सैफ अली खान और करीना कपूर खान सहित कई दिग्गज रहेंगे मौजूद

एजेंसी, मुंबई



इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) के चौथे सत्र के लिए खिलाड़ी नीलामी रविवार, 15 नवंबर को मुंबई में आयोजित की जाएगी। टेनिस बॉल से खेले जाने वाले इस टी10 टूर्नामेंट की आठों फ्रेंचाइजी आगामी सत्र के लिए अपनी टीमें तैयार करेंगी। नीलामी को लीग के चौथे सत्र की तैयारियों का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। नीलामी के दौरान आईएसपीएल की कोर समिति के सदस्यों के साथ कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार, क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर, मीनल अमोल काले और सूरज सामत मौजूद रहेंगे। इसके अलावा मुख्य चयनकर्ता जतिन परांजपे और प्रवीण आमरे भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। कोलकाता फ्रेंचाइजी टाइगर्स के सह-मालिक सैफ अली खान और करीना कपूर खान की भी मौजूदगी रहेगी। नीलामी में प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए 1.5 करोड़ रुपये का बजट होगा। हर टीम को 18 खिलाड़ियों का दल तैयार करना होगा। फ्रेंचाइजी को पिछले सत्र की अपनी टीम से एक खिलाड़ी को बरकरार रखने का विकल्प मिलेगा। इसके अलावा पात्र फ्रेंचाइजी के पास दो राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड भी होंगे। टीम में आईएसपीएल के सभी आठ क्षेत्रों से कम से कम एक-एक खिलाड़ी और अंडर-19 वर्ग के कम से कम दो खिलाड़ियों को शामिल करना अनिवार्य होगा। वहीं, प्रत्येक मैच की अंतिम एकादश में कम से कम एक अंडर-19 खिलाड़ी और आईएसपीएल के चार अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले चार खिलाड़ी होने जरूरी हैं। चौथे सत्र की नीलामी की एक प्रमुख विशेषता क्षेत्रीय ढांचे का विस्तार है। पहले पांच क्षेत्रों में बंटी लीग अब आठ क्षेत्रों में खिलाड़ियों का चयन करेगी। इसका उद्देश्य देशभर में प्रतिभाओं के दायरे को बढ़ाना और जमीनी स्तर पर क्रिकेट को अधिक प्रतिनिधित्व देना है। नए क्षेत्रों में सेंट्रल नॉर्थ, ईस्ट, नॉर्थ, नॉर्थ वेस्ट, साउथ सेंट्रल, साउथ ईस्ट, साउथ वेस्ट और वेस्ट शामिल हैं। नए नियमों के तहत हर फ्रेंचाइजी को अपनी टीम में इन सभी आठ क्षेत्रों से कम से कम एक खिलाड़ी रखना होगा। साथ ही, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को मैदान पर भी अवसरों में बदलने के लिए टीम में शामिल प्रत्येक क्षेत्रीय खिलाड़ी को लीग चरण के कम से कम एक मुकाबले में खेलना अनिवार्य होगा। नीलामी में बोली प्रक्रिया को रोमांचक बनाने के लिए 'गुगली पावर' नामक विशेष प्रावधान भी रखा गया है। इसके तहत कोई भी फ्रेंचाइजी मौजूदा बोली राशि से सीधे एक लाख रुपये की छलांग लगाकर बोली लगा सकेगी। इस विशेष बोली के इस्तेमाल के बाद सामान्य बोली वृद्धि की प्रक्रिया फिर से शुरू हो जाएगी। अधिक मांग वाले खिलाड़ियों को हासिल करने के लिए टीमें इस सुविधा का रणनीतिक इस्तेमाल कर सकेंगी।

नीलामी की कार्यवाही दोपहर चार बजे शुरू होगी। इसका सीधा प्रसारण जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा, जबकि टेलीविजन पर स्टार स्पोर्ट्स खेल के माध्यम से इसे देखा जा सकेगा। लीग का उद्देश्य 'स्ट्रीट टू स्टेडियम' की सोच के साथ देश की उभरती प्रतिभाओं को बड़ा मंच उपलब्ध कराना है।

मेसी के संन्यास के बाद पहले मुकाबले में हारा अर्जेंटीना, उरुग्वे ने 2-1 से दी शिकस्त

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स



लियोनेल मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास के बाद अपने पहले मुकाबले में अर्जेंटीना को हार का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को खेले गए मैत्री मुकाबले में उरुग्वे ने अर्जेंटीना को 2-1 से शिकस्त दी। अर्जेंटीना की हार में डिफेंडर लियोनार्डो बालेरदी का आत्मघाती गोल और उरुग्वे के मिडफील्डर मैक्सी अराउजो का गोल निर्णायक साबित हुआ। उरुग्वे के नए मुख्य कोच डिएगो फोर्लान के नेतृत्व में टीम की यह तीसरी जीत है। दूसरी ओर, 2026 विश्व कप की उपविजेता अर्जेंटीना मेसी की गैरमौजूदगी में लंबे समय तक उरुग्वे की मजबूत रक्षापंक्ति को भेदने में नाकाम रही। मुकाबले में पहला गोल दूसरे हाफ की शुरुआत के तुरंत बाद हुआ। जॉर्जियन डी अरास्काएटा की बाईं ओर से आई फ्री-किक पर अर्जेंटीना के रक्षात्मक क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। लिसांद्रो मार्टिनेज ने हेडर से गेंद को बाहर करने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके साथी खिलाड़ी बालेरदी से टकराकर अपने ही गोल में चली गई। इसके बाद 53वें मिनट में डी अरास्काएटा ने कॉर्नर किक से उरुग्वे की बढ़त दोगुनी कर दी। गेंद अराउजो के कंधे से टकराकर ऊंची उछली और गोलपोस्ट में पहुंच गई। अर्जेंटीना के लिए एटलेटिको मैड्रिड के स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज ने 73वें मिनट में गोल कर वापसी की उम्मीद जगाई। इंजरी टाइम में भी उनके पास एक और अच्छा मौका आया, लेकिन उरुग्वे ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए मुकाबला 2-1 से जीत लिया। मेसी ने पिछले महीने बेनिन के खिलाफ भावुक विदाई मैत्री मुकाबले में जीत के साथ अर्जेंटीना के लिए अपना आखिरी मैच खेला था। इसके साथ ही उन्होंने 207 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 125 गोल के शानदार करियर को विराम दिया। 39 वर्षीय मेसी की अनुपस्थिति में अर्जेंटीना को उरुग्वे के खिलाफ जीत हासिल करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

जापान मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन, अल्वी फरहान को हराया

एजेंसी, कुमामोटो



भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जापान मास्टर्स 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 21-12, 15-21, 21-11 से हराया। लक्ष्य ने एक घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना जापान के कोकी वतानाबे या पूर्व विश्व नंबर एक थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न में से किसी एक से होगा। 25 वर्षीय लक्ष्य के लिए यह जीत इस सत्र में उनकी शानदार वापसी का एक और प्रमाण है। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय टूर पर संघर्ष कर रहे लक्ष्य ने जर्मनी में शानदार प्रदर्शन के साथ अपनी लय हासिल की थी। उन्होंने हायलो ओपन के फाइनल में इंडोनेशिया के मौजूदा चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराकर इस सत्र का अपना पहला और करियर का सातवां खिताब जीता था। जापान मास्टर्स में लक्ष्य ने अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर की थी। दूसरे दौर में उन्होंने चीन के डोंग तियान याओ को महज 35 मिनट में 21-8, 21-14 से शिकस्त दी। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य ने जापान के युशी तनाका को 21-16, 21-15 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। अब अल्वी फरहान को मात देकर उन्होंने फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है।

लक्ष्य ने हालांकि कोरिया ओपन से अपना नाम वापस ले लिया था, लेकिन जापान में उनका शानदार प्रदर्शन सत्र के अंत में होने वाले बीडब्ल्यूएफ टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उनकी संभावनाओं को मजबूत करेगा। अब उनकी नजरें जापान मास्टर्स का खिताब जीतकर इस अभियान का शानदार अंत करने पर होंगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में गुरनूर शामिल, कुलदीप बाहर

19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगी दो टेस्ट मैचों की सीरीज, ऋषभ पंत भी टीम से जुड़े

एजेंसी, नई दिल्ली



न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले भारतीय टीम में बदलाव किया गया है। पुरुष चयन समिति ने तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को टीम में शामिल किया है, जबकि कुलदीप यादव को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी भारतीय टेस्ट टीम के सदस्यों के साथ जुड़ गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 19 नवंबर 2026 से वेलिंगटन में शुरू होगी। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के जून 2027 में होने वाले फाइनल की दौड़ के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में न्यूजीलैंड फिलहाल शीर्ष पर है। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया भी अंक प्रतिशत के आधार पर उसके करीब हैं। भारत चौथे स्थान पर है और शीर्ष टीमों से कुछ पीछे चल रहा है। ऐसे में फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारतीय टीम को अपने बाकी बचे सात टेस्ट मैचों में से अधिकतर में जीत दर्ज करनी होगी। भारत का अभियान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के साथ समाप्त होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ संशोधित भारतीय टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, साई सुदर्शन, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज और गुरनूर बरार।

बिजनेस

यूनिक्लो की राजस्थान में एंट्री, जयपुर के पैसिफिक मॉल में खोला पहला स्टोर

एजेंसी, जयपुर



जापान की ग्लोबल अपैरल रिटेलर कंपनी यूनिक्लो ने राजस्थान में अपना पहला स्टोर जयपुर के पैसिफिक मॉल में खोला है। इसके साथ ही कंपनी ने प्रदेश के बाजार में प्रवेश किया है। करीब 14 हजार 500 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला यह स्टोर भारत में कंपनी का 22वां स्टोर है। यहां पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए कपड़ों की विस्तृत रेंज उपलब्ध कराई गई है। स्टोर में कंपनी का फॉल-विंटर कलेक्शन भी पेश किया गया है। इसमें हीटटेक, फ्लीस, पफटेक, सूफ्ले यार्न, निटवेयर और यूनीक्लो : सी जैसे कलेक्शन शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, ये उत्पाद रोजमर्रा की जरूरतों और अलग-अलग जीवनशैली को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

स्टोर के उद्घाटन समारोह में स्थानीय संस्कृति और परंपरा की झलक भी देखने को मिली। रिबन कटिंग कार्यक्रम में शामिल लोगों ने यूनिक्लो के खास लाल रंग से मेल खाते रंगों के साफे पहने। कंपनी ने जयपुर में अपनी शुरुआत को खास बनाने के लिए स्थानीय संस्थाओं और कलाकारों के साथ कई पहल भी की हैं। इसके तहत प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन के साथ मिलकर यूटीमी (UTme!) टी-शर्ट का विशेष कलेक्शन तैयार किया गया है, जिसमें जयपुर की संस्कृति और पहचान को दर्शाया गया है। वहीं, जयपुर की कलाकार श्रेया पराशरमपुरिया के साथ तैयार किया गया एक विशेष चित्र गुलमेहर फाउंडेशन के सहयोग से हाथ से बनाए गए टोट बैग पर प्रिंट किया गया है। कंपनी ने 'जयपुर वेयर्स लाइफवियर' अभियान के तहत शहर की विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियों को भी शामिल किया। इनमें नेहा लूथरा, प्रियम्वदा गोलछा, श्रेया पराशरमपुरिया, तेजस्वी चंडेला, समर्थ कासलीवाल, कुलदीप सिंह राठौड़ और अनंतजीत सिंह शामिल हैं। अभियान के माध्यम से इन लोगों की व्यक्तिगत पसंद और कहानियों के जरिए कंपनी के लाइफवियर कलेक्शन को प्रदर्शित किया गया। स्टोर के उद्घाटन से पहले यूनिक्लो ब्रांडिंग वाली पुरानी कारों ने जयपुर की सड़कों पर भ्रमण किया। पैसिफिक मॉल और शहर के चुनिंदा कैफे में भी स्थानीय संस्कृति से जुड़ी विशेष सजावट की गई। उद्घाटन के अवसर पर ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर भी रखे गए। स्टोर में सबसे पहले पहुंचने वाले 200 ग्राहकों को यूनिक्लो का राउंड मिनी शोल्डर बैग और थर्ड वेव कॉफी दी गई। वहीं छह हजार रुपये या इससे अधिक की खरीदारी करने वाले ग्राहकों को विशेष टोट बैग उपहार में दिया गया। यूनिक्लो इंडिया के मुख्य वित्तीय अधिकारी एवं मुख्य परिचालन अधिकारी केंजी इनौए ने कहा कि जयपुर में पहला स्टोर खोलकर कंपनी बेहद खुश है। पिंक सिटी के लोगों से मिले प्यार और उत्साह से पता चलता है कि वे कंपनी के लाइफवियर कलेक्शन को पसंद कर रहे हैं। कंपनी यहां के ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बनाना चाहती है और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनने की उम्मीद करती है।

गोयल ने आईआईटीएफ 2026 का किया उद्घाटन, कहा- आज विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा देश

एजेंसी, नई दिल्ली



केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को भारत मंडपम में 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ 2026) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि आज देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। गोयल ने इस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह सुखद संयोग है कि महापर्व छठ पूजा के अवसर पर व्यापार मेले का शुभारंभ हो रहा है। यह मेला पूरे भारत की कहानी को देश-दुनिया के सामने रखने का माध्यम बनेगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि भारत की विकास यात्रा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक इस बार आईआईटीएफ 2026 में देखने को मिलेगी। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने आगे कहा, "हाल की प्रदर्शनियों की सफलता को देखते हुए, हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि हम जल्द ही 'भारत मंडपम' के अगले चरण और इसके विस्तार की शुरुआत करने जा रहे हैं। इससे भविष्य में प्रदर्शकों के लिए उपलब्ध जगह लगभग दोगुनी हो जाएगी...।" नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 45वां भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 14 से 27 नवंबर तक चलेगा। इस बार मेले की थीम 'विकास और विरासत' रखी गई है। इसमें देश-विदेश के 3500 से अधिक प्रदर्शक अपने उत्पादों, सेवाओं और तकनीक का प्रदर्शन करेंगे। इस समारोह में पद्मश्री से सम्मानित गुरु माधवी मुद्गल और उनका समूह ओडिसी नृत्य प्रस्तुत किया। आईटीपीओ ने बताया कि आईआईटीएफ 2026 का आयोजन 'विकास और विरासत' विषय के तहत किया जा रहा है। 14 से 18 नवंबर तक के दिन व्यापारिक आगंतुकों और कारोबार से कारोबार (बी2बी) संपर्क कार्यक्रमों के लिए होंगे। वहीं, 19 से 27 नवंबर तक व्यापार मेला आम लोगों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रुचि रखने वाले आगंतुकों के लिए खुला रहेगा। मेले के आयोजक भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन ने कहा कि इस बार आम लोगों के लिए सामान्य दिनों (19 से 27 नवंबर) में वयस्कों का टिकट 80 रुपये से बढ़ाकर 100 रुपये कर दिया गया है। वरिष्ठ नागरिकों और पांच साल तक के बच्चों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा। इसमें चीन, ईरान, तुर्किये और बांग्लादेश समेत 11 देशों के 3,500 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा लेंगे। इनमें थाइलैंड, ईरान, घाना, नेपाल, अफगानिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये, चीन, श्रीलंका और बांग्लादेश के प्रदर्शक भी शामिल होंगे। इससे अंतरराष्ट्रीय कारोबारी संपर्क और व्यापार संबंधों के अवसर मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि इस साल 45वें आईआईटीएफ-2026 में बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश भागीदार राज्य हैं, जबकि असम, दिल्ली, झारखंड और पश्चिम बंगाल को 'फोकस स्टेट' बनाया गया है।

अमेरिकी महंगाई की मार से क्रिप्टो मार्केट धड़ाम, बिटकॉइन में 6.48 प्रतिशत तक की गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली



अमेरिकी महंगाई के ऊंचे आंकड़ों और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका के बीच आज क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में भारी गिरावट और बिकवाली का दबाव देखने को मिल रहा है। बाजार में पैनिक सेलिंग हावी होने के कारण मार्केट कैप के लिहाज से शीर्ष 15 में शामिल अधिकांश प्रमुख डिजिटल एसेट्स गहरे लाल निशान में कारोबार कर रही हैं। अमेरिकी स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से लगातार हो रही पूंजी निकासी और लिवरेज्ड पोजीशन के बड़े पैमाने पर कटने से निवेशकों का मनोबल टूट गया है। इस चौतरफा दबाव की वजह से दुनिया की सबसे बड़ी आभासी मुद्रा बिटकॉइन फिसल कर आज 70 हजार डॉलर के स्तर से भी नीचे आ गई। क्रिप्टो करेंसी की खरीद बिक्री के लिए अधिकृत एजेंसी कॉयन मार्केट कैप द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार भारतीय समय के अनुसार आज शाम 5:45 बजे तक दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान 6.48 प्रतिशत तक की भारी गिरावट दर्ज कर चुकी है। इस भारी गिरावट के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिटकॉइन का भाव 69,278.70 डॉलर के स्तर पर आ गया है। इसी तरह दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम भी बिकवाली के भारी दबाव में फंस कर 4.59 प्रतिशत की बड़ी कमजोरी के साथ 1,949.52 डॉलर के भाव पर कारोबार कर रही है। बिटकॉइन और एथेरियम में आई इस बड़ी गिरावट के बीच शीर्ष 15 में शामिल अन्य प्रमुख ऑल्टकॉइन्स के बाजार में भी मंदी का असर साफ दिखाई दे रहा है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, बीएनबी 4.86 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 638.56 डॉलर पर आ गया है, जबकि जीकैश 4.08 प्रतिशत टूट कर 947.17 डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.49 अरब डॉलर बढ़कर 719.547 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली । अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में छह नवंबर को समाप्त हफ्ते में 2.49 अरब डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 719.547 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। सोने के भंडार में भी बढ़ोतरी हुई है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 2.691 अरब डॉलर घटकर 717.056 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के अनुसार छह नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 23.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 591.35 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई ने कहा कि इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 2.205 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 104.796 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। आंकड़ों के मुताबिक विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 5.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.61 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति 10 लाख डॉलर बढ़कर 4.79 अरब डॉलर हो गया। उल्लेखनीय है कि 4 सितंबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के उच्चतम स्तर 785.71 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सऊदी अरब की उड़ानों पर 30 नवंबर तक लगाई रोक

एजेंसी, नई दिल्ली



टाटा समूह की अगुवाई वाली विमानन कंपनी एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सऊदी अरब के रियाद और दम्माम के लिए अपनी उड़ानें 30 नवंबर तक निलंबित कर दी हैं। जेद्दाह के लिए सेवाएं 21 नवंबर तक स्थगित रहेंगी। एयरलाइन के मुताबिक क्षेत्र में मौजूदा तनाव और सुरक्षा हालातों के मद्देनजर, सऊदी अरब के लिए अपनी कुछ उड़ानों को अभी अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। कंपनी ने बताया कि मौजूदा हालात को देखते हुए रियाद और दम्माम से आने-जाने वाली एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें 30 नवंबर तक निलंबित रहेंगी। एयर इंडिया ने कहा कि जेद्दा से आने-जाने वाली उड़ानें 21 नवंबर तक निलंबित रहेंगी। जिन यात्रियों के पास 10 नवंबर या उससे पहले की कन्फर्म बुकिंग है, वे उपलब्धता के आधार पर अपनी यात्रा को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के रीशेड्यूल (पुनर्निर्धारित) कर सकते हैं, या बुकिंग रद्द करके पूरा रिफंड ले सकते हैं। एयरलाइन ने बताया कि एयर इंडिया के यात्री सऊदी अरब में एयर इंडिया के किसी भी चालू स्टेशन से अपनी यात्रा को रीशेड्यूल कर सकते हैं। रियाद और दम्माम की बुकिंग के लिए, नई यात्रा 14 दिसंबर तक पूरी की जा सकती है। एयर इंडिया ने कहा कि जेद्दा की बुकिंग के लिए नई यात्रा 5 दिसंबर तक पूरी की जा सकती है। यात्रा को रीशेड्यूल करने या रिफंड पाने में मदद के लिए, यात्री हमारी सपोर्ट टीम से संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा एयर इंडिया के +91 11 69329333 / +91 11 69329999, एयर इंडिया एक्सप्रेस के +91 124 6935600। मोबाइल नंबर पर यात्री हमारे सिटी बुकिंग ऑफिस के जरिए भी संपर्क कर सकते हैं।





बॉलीवुड के रवैये पर अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने उठाए सवाल

भारतीय संस्कृति और लोककथाएं: अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा का मानना है कि देश की संस्कृति और मिट्टी से जुड़ी फिल्मों को दर्शकों का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की सफलता: बिहार के बिहटा स्थित वन देवी मंदिर की लोककथा पर आधारित इस फिल्म ने दुनियाभर में 91.49 करोड़ रुपये की कमाई की है और यह अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा का मानना है कि भारतीय संस्कृति और लोककथाओं से जुड़ी फिल्मों को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिल रहा है। हालांकि, रिलीज से पहले ऐसी फिल्मों की सफलता को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जाती हैं। पत्नी कियारा आडवाणी के साथ 'कॉफी विद करण' के आखिरी सीजन में पहुंचे सिद्धार्थ ने अपनी फिल्म 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' के प्रदर्शन और फिल्म इंडस्ट्री में एक-दूसरे के काम की सराहना करने की जरूरत पर खुलकर बात की। शो में पहली बार सिद्धार्थ और कियारा एक साथ नजर आए। बातचीत के दौरान करण जौहर ने फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को लेकर उठे सवालों का जिक्र किया। इस पर सिद्धार्थ ने कहा कि आलोचक अपना काम कर रहे हैं और कलाकार अपना। उनके मुताबिक, देश का एक बड़ा दर्शक वर्ग अपनी मिट्टी और संस्कृति से जुड़ी कहानियां देखना चाहता है। 'वन' इसी पसंद पर खरी उतरी है। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म की कहानी, अभिनय और दृश्य दर्शकों को पसंद आए। कियारा ने भी इस बात से सहमति जताई कि फिल्म इंडस्ट्री में एक-दूसरे की तारीफ करने के बजाय कमियां निकालने की प्रवृत्ति अधिक है। सिद्धार्थ ने कहा कि इंडस्ट्री में सकारात्मक माहौल होना चाहिए और लोगों को एक-दूसरे का सहयोग करना चाहिए। फिल्म समीक्षकों के बारे में पूछे जाने पर सिद्धार्थ ने कहा कि सभी को अपनी राय रखने का अधिकार है, लेकिन समीक्षा का मतलब केवल फिल्म की बुराई करना या दर्शकों को सिनेमाघरों में जाने से रोकना नहीं होना चाहिए। 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' बिहार के बिहटा स्थित वन देवी मंदिर की लोककथा पर आधारित है। फिल्म में सिद्धार्थ ने मुंबई के रहने वाले ऋषि की भूमिका निभाई है, जो अपनी पत्नी ममता (तमन्ना भाटिया) के साथ देवांचल गांव पहुंचता है। वहां की पुरानी मान्यताओं और जंगल से जुड़ी चेतावनियों के बीच कहानी डरावना मोड़ लेती है। फिल्म ने दुनियाभर में 91.49 करोड़ रुपये की कमाई की है और फिलहाल अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

सिनेमा के बदलते आयाम : लोककथाओं की वापसी और बॉक्स ऑफिस का नया गणित

भारतीय सिनेमा इन दिनों एक दिलचस्प दौर से गुजर रहा है, जहां महानगरों की चकाचौंध से दूर देश के सुदूर अंचलों की मिट्टी और उसकी अनसुनी कहानियां परदे पर अपनी मजबूत जगह बना रही हैं। दशकों तक पश्चिमी संस्कृतियों या शहरी कहानियों से प्रेरित फिल्में बनाने वाले फिल्ममेकर्स ने अब ग्रामीण भारत के लोक-विश्वासों और पारंपरिक धरोहरों पर दांव लगाना शुरू कर दिया है। 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' जैसी फिल्मों की सफलता इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि आज का दर्शक अपनी जड़ों से जुड़ी प्रामाणिक और रहस्यमयी कथाओं को देखने के लिए खासा उत्सुक है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब किसी पारंपरिक या पौराणिक कथा को आधुनिक तकनीक और बेहतरीन वीएफएक्स के साथ पिरोया जाता है, तो उसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। हालांकि, इन प्रयोगों के साथ चुनौतियां भी कम नहीं होती हैं। स्थानीय मान्यताओं को पर्दे पर उतारते समय उसकी पवित्रता और मूल भावना को बचाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है, ताकि किसी की धार्मिक या सांस्कृतिक भावनाएं आहत न हों। इसके बावजूद, इस तरह के प्रोजेक्ट्स का बॉक्स ऑफिस पर सफल होना इस बात का संकेत है कि भारतीय सिनेमा अब प्रयोगधर्मी हो चुका है और दर्शक लीक से हटकर कुछ नया देखना चाहते हैं।



'रामायण' में कैकेयी के पहनावे पर उठे सवालों पर लारा दत्ता ने दी सफाई

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में माता कैकेयी की भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री लारा दत्ता ने अपने किरदार के पहनावे को लेकर हुई आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया दी है। फिल्म का ट्रेलर जारी होने के बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उनके परिधानों को त्रेता युग के हिसाब से आधुनिक बताया था। अब फिल्म रिलीज होने के बाद लारा ने कहा कि दर्शकों को अपनी राय रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन फिल्म में वेशभूषा का चयन एक खास सोच और उद्देश्य के तहत किया गया था।

दिए साक्षात्कार में लारा ने बताया कि कैकेयी कैकेय राज्य से आई थीं, इसलिए उनके आभूषण और पहनावा अन्य रानियों कौशल्या और सुमित्रा से अलग होना स्वाभाविक था। उन्होंने सवाल किया कि क्या कैकेयी अपने राज्य की परंपराओं और स्त्री-धन के साथ अयोध्या नहीं आई होंगी? अभिनेत्री के मुताबिक, फिल्म में मिथिला, अयोध्या और लंका की संस्कृति के बीच अंतर दिखाने के लिए वेशभूषा का एक निश्चित मानक तय किया गया था। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी बातों पर आलोचना करने से कई तरह की बहस शुरू हो सकती है, इसलिए निर्माताओं ने अपनी सोच के अनुसार प्रस्तुति तैयार की।लारा ने कहा कि एक कलाकार के तौर पर निर्देशक और निर्माता के दृष्टिकोण का सम्मान करना जरूरी है। उन्होंने फिल्म के अंतिम परिणाम को लेकर अपना उत्साह भी जाहिर किया और बताया कि सेट पर काम करने के बावजूद पर्दे पर तैयार फिल्म देखकर वह हैरान रह गई थीं। अभिनेत्री ने माना कि दर्शकों को चर्चा और बहस करने का पूरा अधिकार है। उनके अनुसार, कलाकार को अपने काम के दौरान फिल्म निर्माताओं के विजन के साथ चलना होता है। पौराणिक या ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्मों में वेशभूषा और सेट डिजाइन को लेकर अक्सर दर्शकों और निर्माताओं के बीच बहस छिड़ जाती है। जानकारों का मानना है कि रचनात्मक स्वतंत्रता और प्रामाणिकता के बीच संतुलन बनाना किसी भी फिल्म की सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है।

हंसी और मस्ती का डोज लेकर लौटा 'ढिंडोरा', दूसरे सीजन का ट्रेलर जारी

भुवन बाम की लोकप्रिय वेब सीरीज 'ढिंडोरा' के दूसरे सीजन का ट्रेलर जारी हो गया है। करीब पांच साल बाद भुवन अपने चर्चित किरदारों के साथ वापसी कर रहे हैं। नए सीजन में भी दर्शकों को देसी अंदाज की कॉमेडी, पारिवारिक उलझनें और मजेदार संवाद देखने को मिलेंगे। खासतौर पर टीटू मामा के किरदार को लेकर प्रशंसकों में काफी उत्सुकता है। ट्रेलर में इस बार कहानी का मुख्य केंद्र टीटू मामा हैं। उन पर 11 करोड़ रुपये के नुकसान का दबाव है। इसके साथ ही उन्हें अपने ससुराल वालों के साथ बिगड़े रिश्तों को सुधारने की चुनौती भी मिलती है। इन हालात में उनकी कोशिशें परिवार में नई हलचल पैदा करती हैं, जिससे हास्य और मनोरंजन का माहौल बनता है। टीटू मामा के अंदाज और उनके वन-लाइनर्स ट्रेलर की खासियत हैं। आठ एपिसोड वाली इस सीरीज का निर्देशन स्नेहा शेट्टी ने किया है। भुवन बाम के साथ इसमें संजीदा शेख, कंवलजीत सिंह, अनूप सोनी और हेमंत पांडे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'ढिंडोरा 2' का प्रीमियर 20 नवंबर, 2026 से नेटफ्लिक्स पर होगा।



लैटिन ग्रैमी में दिलजीत की प्रस्तुति ने जीता सबका दिल

पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने अंतरराष्ट्रीय संगीत मंच पर एक और उपलब्धि हासिल की है। वह लैटिन ग्रैमी पुरस्कार समारोह में लाइव प्रस्तुति देने वाले पहले भारतीय कलाकार बन गए हैं। 12 नवंबर को लास वेगास के एमजीएम ग्रैंड गार्डन एरिना में आयोजित 27वें लैटिन ग्रैमी समारोह में उन्होंने प्यूर्टो रिको के गायक डैडी यांकी के साथ मंच शेयर किया। दोनों ने अपने गाने 'पोकिटो' पर प्रस्तुति दी, जिसमें पंजाबी और लैटिन संगीत का अनोखा संगम देखने को मिला। दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम पर इस प्रस्तुति का वीडियो शेयर किया है। इसमें वह पंजाबी अंदाज में गाना गाते नजर आ रहे हैं, जबकि डैडी यांकी ने स्पेनिश बोलों से समां बांधा। दिलजीत ने वीडियो के साथ लिखा, 'पंजाबी आ गए लैटिन ग्रैमी ओए। दुनिया की हर स्टेज पर पंजाबी बोल जाऊंगा।' उन्होंने डैडी यांकी को अपना बड़ा भाई बताते हुए दो संस्कृतियों को एक मंच पर लाने के लिए उनका आभार भी जताया। दोनों कलाकारों की जुगलबंदी का वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया। प्रशंसकों ने पंजाबी और लैटिन संगीत के इस मेल की जमकर सराहना की। कई लोगों ने इसे शानदार प्रस्तुति और बेहतरीन सांगीतिक संगम बताया।

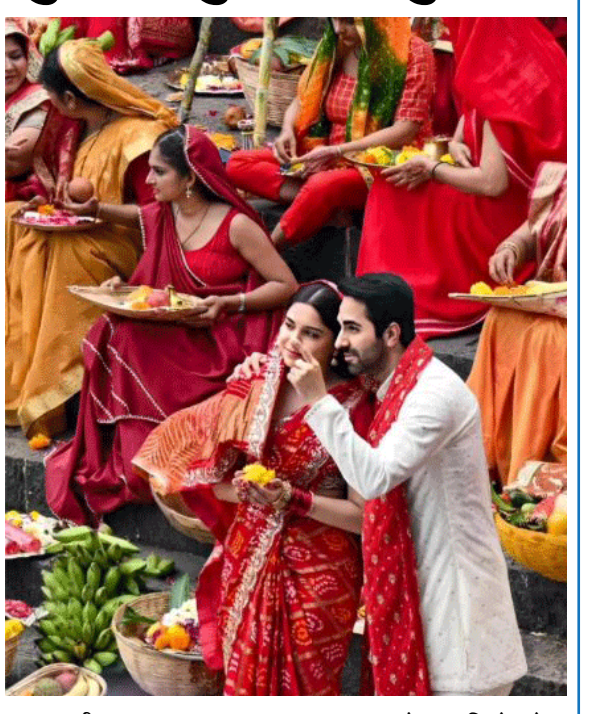
अभिनेता यश ने फिर बॉक्स ऑफिस पर जमाया सिक्का, 'रामायण' बनी दूसरी 1,000 करोड़ी फिल्म

अभिनेता यश की फिल्म 'रामायण: भाग 1' ने दुनियाभर में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस पौराणिक फिल्म के साथ यश ने एक बार फिर वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर अपनी लोकप्रियता साबित की है। खास बात यह है कि 'केजीएफ: चैप्टर 2' के बाद यह उनकी दूसरी फिल्म है, जिसने वर्ल्डवाइड 1,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। इससे यश उन चुनिंदा भारतीय सितारों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिनकी एक से अधिक फिल्मों ने यह उपलब्धि हासिल की है। 'केजीएफ: चैप्टर 2' ने दुनियाभर में करीब 1,215 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। अब 'रामायण' में रावण की भूमिका निभा रहे यश के अभिनय और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों की सराहना मिल रही है। फिल्म का प्रदर्शन भारत के साथ विदेशी बाजारों में भी शानदार रहा है। ब्रिटेन, थाईलैंड और इंडोनेशिया जैसे देशों में इसे अच्छा प्रतिसाद मिला है। वहीं, फिल्म के कन्नड़ डब संस्करण ने भी 50 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। यश हमेशा से भारतीय कहानियों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने की बात करते रहे हैं। एक प्री-रिलीज कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि 'रामायण' हम सभी के संस्कारों और भावनाओं से जुड़ी है, इसलिए इसे बनाने के लिए पूरी भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को साथ आना चाहिए। फिल्म की इस सफलता के साथ यश अब शाहरुख खान, प्रभास और रणवीर सिंह जैसे सितारों की उस सूची में शामिल हो गए हैं, जिनकी एक से अधिक फिल्मों ने दुनियाभर में 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया है। 'केजीएफ' से 'रामायण' तक का सफर यश के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है।



छठ पूजा का पहली बार अनुभव कर भावुक हुए आयुष्मान खुराना

अभिनेता आयुष्मान खुराना पहली बार छठ पूजा के उत्सव और परंपराओं से जुड़े हैं। सूरज बड़जात्या की आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के गाने 'बुलाए छठी मां' की शूटिंग के दौरान उन्हें इस पर्व को करीब से जानने और अनुभव करने का मौका मिला। पंजाबी परिवार से आने वाले आयुष्मान ने बताया कि इससे पहले उन्होंने कभी छठ पूजा नहीं मनाई थी। ऐसे में इस त्योहार की रस्मों, आस्था और लोगों के बीच इसके भावनात्मक महत्व को समझना उनके लिए बेहद खास रहा। आयुष्मान ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छठ पूजा की हर रस्म के पीछे गहरी आस्था और भक्ति जुड़ी है। इस पर्व की सबसे खास बात उन्हें यह लगी कि यह लोगों को एक साथ जोड़ता है। अभिनेता के मुताबिक, उनके लिए यह केवल एक गाने की शूटिंग नहीं थी, बल्कि एक ऐसी परंपरा का हिस्सा बनने का अवसर था, जिससे वह पहले परिचित नहीं थे। उन्होंने बताया कि छठ पूजा के विशेष दृश्य की शूटिंग से पहले निर्देशक सूरज बड़जात्या ने पूरी कास्ट को एक साथ बुलाकर छठ पूजा का गीत सुनाया। यह पल इतना भावुक था कि सभी की आंखें नम हो गईं। इस अनुभव ने पूरे दृश्य को उनके लिए और भी यादगार बना दिया। 'बुलाए छठी मां' गीत के जरिए फिल्म में छठ पूजा की आस्था, परंपराओं और सामूहिक भावना को दिखाया गया है। यह पर्व खासतौर पर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में श्रद्धा के साथ मनाया जाता है, हालांकि देश के कई अन्य हिस्सों में भी इसकी व्यापक परंपरा है। 'ये प्रेम मोल लिया' में आयुष्मान के साथ शरवरी नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार सूरज बड़जात्या के निर्देशन में काम कर रहे हैं। बड़जात्या अपने सिनेमा में परिवार, रिश्तों और भारतीय परंपराओं को खास जगह देने के लिए जाने जाते हैं।



मनोज तिवारी और पत्नी सुरभि ने सुरों से बांधा समां, सोनाली बेंद्रे बोलीं- जय छठी मईया

भारतीय संस्कृति और लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की धूम इन दिनों देश ही नहीं, बल्कि टेलीविजन के छोटे पर्दे पर भी देखने को मिल रही है। त्योहारों की असली खूबसूरती तब और निखर कर सामने आती है, जब परंपराओं को नए मंच मिलते हैं और खुशियां अपनों के साथ मिल-बांटकर मनाई जाती हैं। इसी आत्मीय भावना को जीवंत करते हुए भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार, गायक और राजनेता मनोज तिवारी ने रियलिटी शो 'धमाल विद पति-पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक' के सेट को छठ पूजा के एक बेहद भावपूर्ण और भक्तिमय उत्सव में तब्दील कर दिया। इस खास मौके पर सेट का पूरा माहौल आस्था, संगीत और पारंपरिक उत्साह से सराबोर नजर आया। शूटिंग के दौरान मनोज तिवारी खाली हाथ नहीं आए, बल्कि वे अपने साथ छठ महापर्व का सबसे पवित्र और पारंपरिक 'ठेकुआ' प्रसाद लेकर पहुंचे। उन्होंने शो में हिस्सा ले रहे सभी सेलिब्रिटी जोड़ों, क्रू मेंबर्स और 'पति-पत्नी और पंगा' परिवार के प्रत्येक सदस्य को अपने हाथों से प्रसाद वितरित किया और उन्हें इस पावन उत्सव का हिस्सा बनाया। इस दौरान शो की होस्ट और बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे भी छठ के रंग में रंगी नजर आईं। प्रसाद ग्रहण करने के बाद सोनाली बेंद्रे ने बेहद श्रद्धा और उत्साह के साथ 'जय छठी मईया' का उद्घोष किया, जिससे पूरे सेट पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो गया। शो में सोनाली के साथ सह-मेजबान की भूमिका निभा रहे मुनव्वर फारुकी और अन्य प्रतिभागी भी इस पारंपरिक स्वागत और भक्तिमय माहौल से काफी प्रभावित दिखे। उत्सव के इस माहौल में मनोज तिवारी और उनकी पत्नी सुरभि तिवारी ने अपनी मधुर आवाज में छठ का एक पारंपरिक और हृदयस्पर्शी लोकगीत गाकर समां बांध दिया। उनके गीत की स्वरलहरियों ने मुंबई के इस आधुनिक टीवी सेट पर पूर्वांचल और बिहार की मिट्टी की सौंधी खुशबू बिखेर दी। इस अवसर पर अपनी भावनाएं साझा करते हुए सुरभि तिवारी ने कहा कि उनके लिए छठ पूजा दुनिया के सबसे खूबसूरत और अर्थपूर्ण त्योहारों में से एक है। उन्होंने भावुक होते हुए बताया कि जब भी उनके कानों में छठ का कोई गीत पड़ता है, तो उन्हें तुरंत अपने गृहनगर की याद आ जाती है और उनका मन करता है कि वे सब कुछ छोड़कर वापस अपने घर चली जाएं। वहां जिस श्रद्धा, पवित्रता और सामूहिक उत्साह के साथ यह पर्व मनाया जाता है, उसकी हर रस्म मन में पुरानी यादों को ताजा कर देती है। सुरभि ने छठ महापर्व के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देना दरअसल जीवन में मिली हर नेमत के प्रति प्रकृति का आभार व्यक्त करने, अपनी जड़ों से जुड़े रहने और हर परिस्थिति में आस्था बनाए रखने का एक अनुपम माध्यम है। उन्होंने आगे कहा कि छठ एक ऐसा पावन अवसर है जब पूरा परिवार एक छत के नीचे एकत्र होता है, हमारी प्राचीन परंपराओं को सहेजा जाता है और हम अपने प्रियजनों की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मंगलकामना के लिए छठी मईया से आशीर्वाद मांगते हैं। अपने अनुभव साझा करते हुए सुरभि ने कहा कि यह वर्ष उनके और मनोज जी के लिए इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि 'धमाल विद पति-पत्नी और पंगा' के माध्यम से दर्शकों का उन्हें असीम प्यार और स्नेह मिला है। अंत में उन्होंने सभी के लिए मंगलकामना करते हुए कहा कि इस छठ पर उनकी यही प्रार्थना है कि हर परिवार में खुशियों की बहार आए, आपसी प्रेम और जुड़ाव मजबूत हो। उन्होंने कहा कि त्योहारों की सार्थकता तभी है जब हम अपने लिए जो आशीर्वाद मांगें, वह हमारे आस-पास के हर व्यक्ति तक पहुंचे। गौरतलब है कि सोनाली बेंद्रे और मुनव्वर फारुकी की मेजबानी वाले इस चर्चित रियलिटी शो में भारतीय टेलीविजन जगत की कई लोकप्रिय सेलिब्रिटी जोड़ियां अपने रिश्तों की परीक्षा देती नजर आ रही हैं, जहां मनोरंजन के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के ऐसे खूबसूरत रंग भी देखने को मिल रहे हैं।



After EASA concern, Air India asks crew to remain on board till replacement arrives during Europe fuelling halts

New Delhi, Agency: Air India has asked its cockpit and cabin crew operating flights between India and North America that take a fuelling halt in Europe since the US-Iran war broke out this Feb, to remain on board till the relief crew takes over from them to operate the remaining lag of the flight. The reason: Refuelling takes place during these halts which requires the cockpit to be manned by pilots and/or engineers for the process and since passengers remain on board during this time, cabin crew has to be there to announce precautions like keeping seat belts off.

There were some instances when the incoming crew left the aircraft immediately on arrival in Europe. This gap in standard operating procedure (SOP) was detected primarily at Vienna during "EU ramp inspection programme" carried out to do "safety assessment of foreign aircraft" (SAFA). Along with cabin condition issues, this led to European Union Aviation Safety Agency (EASA) SAFA score of Air India rising to 2.7, indicating safety-related deficiencies.



The same was conveyed to the Indian Directorate General of Civil Aviation (DGCA), which then swung into action along with AI to rectify the situation. The airline started deploying new or retrofitted aircraft on these routes which largely took care of cabin issues. For fuelling, AI asked its crew to remain on board till the replacement crew arrives.

After taking these two steps, AI's SAFA score has now gone to about 1.4, indicating that the issues that led to the earlier higher score have been largely addressed. "The DGCA did extensive monitoring and ensured AI followed the protocol to a T. Now AI is in the 'good zone' of Europe's SAFA with the score falling from 2.7 earlier to about 1.4," said people in the know. "Now crew often remains on board for about 1-1.5 hours after landing to oversee the fuelling process till relief crew arrives," they add.

AI's improved SAFA score comes as a breather for the short-staffed DGCA that has been headed by non-aviation generalists for about two decades now, just ahead of facing an audit by the US Federal Aviation Administration (FAA) from next week. It is also a relief for Air India as it is the only Indian carrier that flies to the US and will be examined closely by FAA for that reason. In operational terms, this should lead to less checks during fuelling stops in Europe and fewer delays on that count during halts there for AI.

How Air India tackled the issues: Refuelling: The SOP is that an engineering team and/or pilots should be in the flight deck when an aircraft is getting refuelled to coordinate with the fuelling staff. The cabin crew has to announce that passengers must not have their seat belts on when fuelling is taking place.

The AI circular for pilots, reiterating the incoming set remains on board till it's replaced by the relief crew. "Before commencing fuelling, the flight deck crew will be informed by engineering. If flight crew are unable to attend the flight deck during refueling, they shall request a qualified engineer to attend the flight deck," says his circular.

2 SPOs killed in J&K's Kishtwar, service rifles missing

Srinagar, Agency: Bullet-riddled bodies of two special police officers (SPOs) were found in the remote forests of J&K's Kishtwar district Thursday, with their service rifles missing, triggering a search for the attackers and renewed concerns over a possible revival of terrorism in Chenab valley.

Rashpal Kumar, 45, and Bobby Chand, 57, both residents of Kiyar Dachhan and posted with SOG Kiyar sector, had gone missing on Nov 10 while travelling to an Army post at Dharna-Marwah for rotation duty. A search was launched after they failed to reach the post. Their mobile phones were initially reachable but later switched off.



One SPO had a bullet wound to his head and the other to his back. Their bodies were shifted for autopsy. Their INSAS and .303 rifles were missing.

Sources said it was too early to link the killings to terrorism. However, Hizbul Mujahideen commander Jahangir Saroori, believed to be the longest-surviving terrorist in Chenab valley, was suspected to have been hiding in the area for decades.

Tata Power Posts Record Quarterly Profit of 1,652 Crore in Q2 FY27

Jamshedpur : Tata Power, one of India's largest integrated power companies, has reported its highest-ever quarterly Profit After Tax (PAT) of ?1,652 crore in the second quarter of FY27, registering a 33% year-on-year increase. The strong performance was driven by broad-based growth across its generation, renewable energy, transmission and distribution businesses.

The company's revenue increased 26% year-on-year to ?19,886 crore during Q2 FY27, while EBITDA rose 5% to ?4,245 crore.

For the first half of FY27, Tata Power recorded its highest-ever half-yearly PAT of ?3,053 crore, marking a 22% increase over the corresponding period last year. Revenue stood at 38,784 crore, while EBITDA reached ?8,494 crore.

The company attributed its performance to contributions from conventional power generation, renewable energy, transmission and distribution, and emerging consumer-focused green businesses. Regulated and long-term contracted operations are also contributing an increasing share of EBITDA, providing greater earnings stability and predictable cash flows.

Record Capital Investment Supports Expansion

Tata Power invested approximately ?10,000 crore during H1 FY27, its highest-ever half-yearly capital deployment. The investment is aimed at expanding critical energy infrastructure, increasing renewable capacity, strengthening transmission networks and developing energy storage solutions.

India's electricity demand continued to grow during the first half, supported by industrial activity, agricultural consumption, rising household requirements, electric vehicle adoption and the expansion of data centres. Extreme heatwaves and delayed monsoon conditions further increased cooling-related power consumption.

Tata Power is leveraging its diversified portfolio of thermal generation, renewable energy, storage solutions and transmission infrastructure to address these growing requirements.

Renewable Energy and Distribution Businesses Drive Growth Renewable energy remained a key contributor to the company's performance. Tata Power added 1.4 GW of renewable capacity over the past 12 months. Its rooftop solar business has achieved cumulative installations exceeding 5.1 GWp, supported by strong execution and manufacturing performance.

Kashmiri wazas stir Valley pot with 10 pm wazwan deadline, politics takes back seat

Srinagar, Agency: At the end of the marriage season, wedding chefs, called wazas in Kashmir, have created a storm in the Valley by announcing that they will stop serving wazwan, the traditional multi-course Kashmiri meal, after 10 pm in an attempt to curb increasingly late-night wedding feasts. The decision is being widely debated on social media in Kashmir and politics, it appears, has taken a backseat for the moment.The dinner deadline will take effect from the next marriage season, which begins in May, according to All Kashmir Waza Association president Ghulam Nabi Baba. Under the new proposed arrangement, Baba said lunch wazwan would be served at 2 pm and dinner at around 10 pm. He



said members who fail to follow the association's rules would be removed.

Baba said the decision was taken at an association meeting at Rajouri Kadal, in Srinagar's old city, on Wednesday in response to the growing trend of delayed groom arrivals at wedding venues. Some grooms, he said, reach the bride's home as late as 3 or 4 am, when they should be having a feast much before 10 pm.

"From next season, starting in May, this will not be tolerated," Baba told Media. With the changing security situation in the Valley, late-night weddings have become the norm, but the wazas are not happy about it. They have their reasons. Baba said serving wazwan past midnight creates problems as younger people are reluctant to join the profession, presuming it more demanding, while labourers hired for the day are unwilling to work through the night after remaining on duty for long hours.

Baba said the timing decision would be implemented through the association, which is 60 years old and has chefs from across the Valley as members. "Our association is registered and has at least 40,000 members," he said.

NCPCR set to finalise guidelines for responsible safe use of social media by children

New Delhi, Agency: Amid increasing use of digital platforms by children and concerns around child sexual exploitation and abuse material (CSEAM) the National Commission for Protection of Child Rights is working to finalise the draft of the first set of comprehensive guidelines on "responsible, safe and age-appropriate use of social media by children". Expected to be ready in December, the commission will put up the draft thereafter for public suggestions.As part of the ongoing consultations, the commission led by its chairperson Valeti Premchand held a final stakeholder meeting with representatives of social media platforms and online gaming platforms on Thursday where representatives of Meta, Google, X, Snapchat, ShareChat and Reddit among others were present. NCPCR member secretary Sanjeev Sharma shared that the meeting focused on reviewing the existing child safety measures adopted by digital platforms and deliberating upon the recommendations contained in the child safety implementation matrix.

According to the commission the participating platforms shared their inputs against each proposed child safety safeguard under three heads: measures already implemented, future plans for implementation and any other comments.

They also made brief presentations highlighting their existing child safety measures, awareness initiatives for children, parents and caregivers, and planned initiatives to further strengthen online safety. The initiative assumes significance in view of the concerns relating to exposure to harmful and age-inappropriate content, cyberbullying, online grooming, CSEAM, privacy violations and other forms of online exploitation.

Rs 81 lakh property of PoK terror handler seized in J&K's Rajouri

New Delhi, Agency: Jammu and Kashmir Police has attached immovable property worth Rs 81 lakh belonging to a Pakistan-occupied Jammu and Kashmir (PoJK)-based terror handler in Rajouri district, officials told news agency Media on Friday.

The attachment was carried out by Rajouri Police on Thursday under Sections 87 and 88 of the CrPC and Sections 2 and 3 of the EIMCO Act.



The property belongs to Mohd Arshad, a resident of Khablan Thanamandi, and comprises 2 Kanals and 14 Marlas of land spread across Khasra numbers 125, 128 and 160 in the village. The action comes amid an intensified crackdown on terror networks in the region. As part of the drive this year, Jammu and Kashmir Police has attached properties worth crores of rupees belonging to 10 PoK-based terror handlers, aiming to dismantle the support network of terrorism and take action against those involved in anti-national activities.

In a separate operation, Baramulla Police and security forces arrested a man and recovered two hand grenades from the Baderkoot forest area of Tangmarg, police said on Thursday.

The accused was identified as Ghulam Jeelani Reshi, a resident of Baderkote in Tangmarg. The operation was conducted by Baramulla Police along with CICT Ftr BSF (112/06 Bn), 2RR and CRPF 176 Bn during an Area Domination Patrol (ADP) in the forest.

One hand grenade was recovered from Reshi's possession, while another concealed grenade was subsequently recovered from the forest based on his disclosure, police said.

An FIR has been registered at Police Station Tangmarg. Further investigation is under way to establish the source of the explosives, their intended use and possible links, according to the police release.

Government confident of holding polls in violence-hit Manipur on time

New Delhi, Agency: Amid continuing incidents of violence in ethnic-strife-hit Manipur, govt sources Thursday expressed confidence that the assembly polls in the state will be held on schedule.

The term of the Manipur assembly ends on March 13 next year, and the state is due to go to the polls alongside Goa, Punjab, Uttarakhand and Uttar Pradesh.



However, a long phase of ethnic violence, which has subsided but continues to persist sporadically, has left political circles wondering if the Manipur polls will be held on time. "It will be held on time," a source said when asked.

EC, which has been making preparations, put Manipur's electorate at 19.94 lakh in its draft rolls, signalling an expansion of the voter base by nearly 2% before assembly elections expected by March.

India simplifies visa rules: Categories cut to 9 from 13, application fields reduced by up to 70%

New Delhi, Agency: Having simplified its visa regime by cutting the total visa categories to 9 from 13 and sub-categories to 23 from 49 and also reducing the information sought from foreign applicants across all 23 sub-categories, the ministry of home affairs (MHA) will be MHA updating its IT systems by year-end, to grant visas per new rationalisation.

"The step aims at making it (visa regime) more compact, coherent and responsive to the requirements of foreign nationals visiting India," the home ministry said in a statement on Wednesday. As part of



the revamp, the main visa categories were first cut on 22 to 13 and sub-categories to 49 from 63 in October last year, and further to 9 and 23 respectively on August 27 this year.

This simplification was done after studying the visa system followed by the developed countries as well as the global standards.

"The consolidation of similar purposes of travel is aimed at providing greater clarity and ease in identifying the appropriate visa category while facilitating legitimate foreign arrivals," said a ministry spokesperson.

Currently electronic visa or e visa is processed by electronic travel authorization under 13 sub categories. The e-visa facility is available to nationals of 172 countries.

The MHA has also made visa application simpler, cutting the fields/columns by upto 70% across all 23 sub-categories of visas. "The initiative aims to significantly reduce the information required from foreign nationals, while retaining essential details necessary for visa processing. This will reduce time and effort required to complete the application and also enhance administrative efficiency by facilitating more focused scrutiny and processing of visa application," said MHA.

The rationalisation of visitor visa, earlier called tourist visa, allows flexibility for short and long stays.